दूर्वा
भाग 1

कक्षा 6 के लिए हिंदी की पाठ्यपुस्तक

(द्वितीय भाषा)

दूर्वा
भाग 1

कक्षा 6 के लिए हिंदी की पाठ्यपुस्तक

(द्वितीय भाषा)

© NCERT
not to be republished

© NCERT
not to be republished

दूर्वा
भाग 1

कक्षा 6 के लिए हिंदी की पाठ्यपुस्तक

(द्वितीय भाषा)

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

© NCERT
not to be republished

प्रथम संस्करण

मार्च 2006 फाल्गुन 1927

पुर्नमुद्रण

अक्तूबर 2006 कार्तिक 1928
अक्तूबर 2007 आश्विन 1929
जनवरी 2009 माघ 1930
जनवरी 2010 माघ 1931
जनवरी 2011 पौष 1932
नवंबर 2013 अग्रहायण 1935
दिसंबर 2014 पौष 1936
मई 2016 वैशाख 1938
दिसंबर 2016 पौष 1938
जनवरी 2018 माघ 1939

PD 20T + 10T RPS

© राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 2006

₹ 55.00

एन.सी.ई.आर.टी. वाटरमार्क 80 जी.एस.एम.पेपर पर मुद्रित।

प्रकाशन प्रभाग में सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविंद मार्ग, नयी दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशित तथा नोवा पब्लिकेशन्स, सी-51, फ़ोकल पॉइंट एक्स., जालंधर- 144 004 द्वारा मुद्रित।

ISBN 81-7450-528-8

सर्वाधिकार सुरक्षित

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फोटोप्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुन: प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है।
- इस पुस्तक की बिक्री इस शर्त के साथ की गई है कि प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना यह पुस्तक अपने मूल आवरण अथवा जिल्द के अलावा किसी अन्य प्रकार से व्यापार द्वारा उधारी पर, पुनर्विक्रय या किराए पर न दी जाएगी, न बेची जाएगी।
- इस प्रकाशन का सही मूल्य इस पृष्ठ पर मुद्रित है। रबड़ की मुहर अथवा चिपकाई गई पर्ची (स्टिकर) या किसी अन्य विधि द्वारा अंकित कोई भी संशोधित मूल्य गलत है तथा मान्य नहीं होगा।

एन.सी.ई.आर.टी., प्रकाशन प्रभाग के कार्यालय

एन.सी.ई.आर.टी. कैंपस
श्री अरविंद मार्ग
नयी दिल्ली 110 016 Phone : 011-26562708

108ए 100 फीट रोड
हेली एक्सटेंशन, होस्डेकेरे
बनाशंकरी III स्टेज
बेंगलूरु 560 085 Phone : 080-26725740

नवजीवन ट्रस्ट भवन
डाकघर नवजीवन
अहमदाबाद 380 014 Phone : 079-27541446

सी.डब्ल्यू.सी. कैंपस
निकट: धनकल बस स्टॉप
पनिहटी
कोलकाता 700 114 Phone : 033-25530454

सी.डब्ल्यू.सी. कॉम्प्लैक्स
मालीगाँव
गुवाहाटी 781021 Phone : 0361-2674869

प्रकाशन सहयोग

अध्यक्ष, प्रकाशन प्रभाग : *एम. सिराज अनवर*
मुख्य संपादक : *श्वेता उप्पल*
मुख्य व्यापार प्रबंधक : *गौतम गांगुली*
मुख्य उत्पादन अधिकारी (प्रभारी) : *अरुण चितकारा*
संपादक : *मरियम बारा*
उत्पादन सहायक : *दीपक जैसवाल*

आवरण एवं सज्जा

अरविंदर चावला

चित्रांकन

सुजित कुमार

© NCERT not to be republished

आमुख

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (2005) सुझाती है कि बच्चों के स्कूली जीवन को बाहर के जीवन से जोड़ा जाना चाहिए। यह सिद्धांत किताबी ज्ञान की उस विरासत के विपरीत है जिसके प्रभाववश हमारी व्यवस्था आज तक स्कूल और घर के बीच अंतराल बनाए हुए है। नई राष्ट्रीय पाठ्यचर्या पर आधारित पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकें इस बुनियादी विचार पर अमल करने का प्रयास है। इस प्रयास में हर विषय को एक मजबूत दीवार से घेर देने और जानकारी को रटा देने की प्रवृत्ति का विरोध शामिल है। आशा है कि ये कदम हमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) में वर्णित बाल-केंद्रित व्यवस्था की दिशा में काफी दूर तक ले जाएँगे।

इस प्रयत्न की सफलता अब इस बात पर निर्भर है कि स्कूलों के प्राचार्य और अध्यापक बच्चों को कल्पनाशील गतिविधियों और सवालों की मदद से सीखने और सिखाने के दौरान अपने अनुभव पर विचार करने का अवसर देते हैं। हमें यह मानना होगा कि यदि जगह, समय और आज़ादी दी जाए तो बच्चे बड़ों द्वारा सौंपी गई सूचना-सामग्री से जुड़कर और जूझकर नये ज्ञान का सृजन करते हैं। शिक्षा के विविध साधनों व स्रोतों की अनदेखी किए जाने का प्रमुख कारण पाठ्यपुस्तक को परीक्षा का एकमात्र आधार बनाने की प्रवृत्ति है। सर्जना और पहल को विकसित करने के लिए जरूरी है कि हम बच्चों को सीखने की प्रक्रिया में पूरा भागीदार मानें और बनाएँ, उन्हें ज्ञान की निर्धारित खुराक का ग्राहक मानना छोड़ दें।

ये उद्देश्य स्कूल की दैनिक ज़िंदगी और कार्यशैली में काफी फेरबदल की माँग करते हैं। दैनिक समय-सारणी में लचीलापन उतना ही ज़रूरी है जितनी वार्षिक कैलेंडर के अमल में चुस्ती, जिससे शिक्षण के लिए नियत दिनों की संख्या हकीकत बन सके। शिक्षण और मूल्यांकन की विधियाँ भी इस बात को तय करेंगी कि यह पाठ्यपुस्तक स्कूल में बच्चों के जीवन को मानसिक दबाव तथा बोरियत की जगह खुशी का अनुभव बनाने में कितनी प्रभावी सिद्ध होती है। बोझ की समस्या से निपटने के लिए पाठ्यक्रम निर्माताओं ने विभिन्न चरणों में ज्ञान का पुनर्निर्धारण करते समय बच्चों के मनोविज्ञान व अध्यापन के लिए उपलब्ध समय का ध्यान रखने की पहले से अधिक सचेत कोशिश की है। इस कोशिश को और गहराने के यत्न में यह पाठ्यपुस्तक सोच-विचार और विस्मय, छोटे समूहों में बातचीत व बहस, और हाथ से की जाने वाली गतिविधियों को प्राथमिकता देती है।

एन.सी.ई.आर.टी. इस पुस्तक की रचना के लिए बनाई गई पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति के परिश्रम के लिए कृतज्ञता व्यक्त करती है। परिषद् भाषा सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रोफ़ेसर नामवर सिंह और इस पुस्तक के मुख्य सलाहकार प्रोफ़ेसर पुरूषोतम अग्रवाल की विशेष आभारी है। इस पाठ्यपुस्तक के विकास में कई शिक्षकों ने योगदान दिया; इस योगदान को संभव बनाने के लिए हम उनके प्राचार्यों के आभारी हैं। हम उन सभी संस्थाओं और संगठनों के प्रति कृतज्ञ हैं जिन्होंने अपने संसाधनों, सामग्री तथा सहयोगियों की मदद लेने में हमें उदारतापूर्वक सहयोग दिया। हम माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रोफ़ेसर मृणाल मीरी एवं प्रोफ़ेसर जी.सी. देशपांडे की

© NCERT not to be republished

अध्यक्षता में गठित निगरानी समिति (मॉनिटरिंग कमेटी) के सदस्यों को अपना मूल्यवान समय और सहयोग देने के लिए धन्यवाद देते हैं। व्यवस्थागत सुधारों और अपने प्रकाशनों में निरंतर निखार लाने के प्रति समर्पित एन.सी.ई.आर.टी. टिप्पणियों व सुझावों का स्वागत करेगी जिनसे भावी संशोधनों में मदद ली जा सके।

निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान
और प्रशिक्षण परिषद्

नयी दिल्ली
20 दिसंबर 2005

© NCERT not to be republished

अध्यापक बंधुओं से

भाषा शिक्षण के विषय में नई पाठ्यचर्या और पाठ्यक्रम 2005 का दृष्टिकोण बहुभाषिकता का पक्षधर है। यह दृष्टिकोण बहुभाषिक कक्षा के प्रत्येक विद्यार्थी की भाषा के सम्मान को अनिवार्य रूप से आवश्यक समझता है और यह भी सुझाव देता है कि विद्यार्थी की भाषायी विभिन्नता को शिक्षण-विधियों का हिस्सा मानकर भाषा सिखाई जानी चाहिए, क्योंकि भाषा एक दूसरे के सान्निध्य में फलती-फूलती है। भाषा शिक्षण की उक्त अवधारणा को **दूर्वा** पुस्तकमाला के निर्माण में आधार बनाने का प्रयत्न किया गया है।

यह पुस्तकमाला कक्षा छह से आठ तक के स्तरों पर द्वितीय भाषा के रूप में हिंदी शिक्षण करने वाले हिंदीतर क्षेत्रों के जवाहर नवोदय विद्यालय सहित सभी विद्यालयों के लिए निर्मित की गई है। कक्षा छह के लिए तैयार की गई **दूर्वा** भाग-1 की कुछ विशेषताएँ इस प्रकार हैं–

1. इस पुस्तक में भाषा शिक्षण के लिए सर्वप्रथम चित्र के माध्यम से शब्द परिचय करवाया गया है। इसी के साथ लिपि की संरचना और शब्द के उच्चारण को भी विद्यार्थी जान सकता है। इससे सुनने, बोलने और पढ़ने की क्षमता विकसित हो सकेगी।
2. विद्यार्थियों में सुनने, समझने और बोलने की क्षमता को सशक्त बनाने के लिए प्रारंभ में मौखिक पाठों के साथ ग्यारह पाठ दिए गए हैं। इनमें बारंबारता (फ्रीक्वेंसी) की प्रक्रिया अपनाई गई है, ताकि सिखाई जानेवाली भाषा से विद्यार्थी का परिचय उत्तरोत्तर बढ़ सके। बलाघात, अनुतान आदि उच्चारण संबंधी विशेषताओं को सिखलाने के लिए पाठों में वार्तालाप अधिक रखे गए हैं।
3. पाठों की संरचनाएँ पूर्वनिर्धारित और अभिक्रमिक हैं। जिन पाठों में जो संरचनाएँ शिक्षण बिंदु के रूप में प्रमुखतः निर्धारित की गई हैं, उन्हें ही पाठ में स्वभाविक ढंग से उभारने का प्रयास किया गया है, ताकि विद्यार्थी हिंदी भाषा की संरचना से परिचित हो सके, साथ ही अपनी ज्ञात भाषा और हिंदी की संरचनाओं की समानता तथा उनके अंतर की पहचान भी कर सके।
4. विद्यार्थी के भाषा-परिवेश के समानांतर पाठों के भाषा-परिवेश को भी रखने का प्रयास किया गया है, ताकि वय और संबंध के अनुसार भाषा व्यवहार के विभिन्न स्तरों की जानकारी हो सके। इसके लिए विद्यार्थी से संबंधित विषयों घर-परिवार, विद्यालय, मित्र, खेल का मैदान, बगीचा आदि पर पाठ रखे गए हैं, ताकि उनकी सहभागिता रुचि के साथ बढ़ सके।
5. पाठों के साथ लिखित और मौखिक अभ्यास दिए गए हैं। मानक हिंदी वर्णमाला, बारहखड़ी एवं संयुक्ताक्षरों के विभिन्न रूपों को वर्गीकृत करके प्रस्तुत किया गया है। अधिगम की दृष्टि से कठिन माने जानेवाले संयुक्त वर्णों तथा र के तीन रूपों को नवें, दसवें और ग्यारहवें पाठ में सिखाया गया है।
6. पाठ के अभ्यासों में व्याकरणिक भाषा-अभ्यास के बदले भाषा संबंधी सहज प्रयोगों को रखा गया है। बातचीत में प्रयुक्त होनेवाले भाषा-अवयवों, जैसे–'हाँ-नहीं' आदि के अंतर को प्रश्नोत्तर के रूप में बताया गया है।

© NCERT not to be republished

7. पाठों का संयोजन इस प्रकार किया गया है जिससे विद्यार्थी हिंदी के विभिन्न भाषा रूपों से परिचित हो सकें, साथ ही संचार के माध्यमों (टेलीफोन, टेलीविजन, रेडियो आदि) में प्रयुक्त भाषा को भी समझ सकें।
8. पत्र-लेखन के विभिन्न पहलुओं को सिखलाने के लिए अलग से एक पाठ दिया गया है।
9. विद्यार्थियों की शब्द संपदा के संवर्धन हेतु समानार्थी और विलोम शब्दों को यथास्थान दिया गया है।
10. शब्द और वस्तु से परिचय के साथ शब्द-लेखन करवाने के लिए चित्रों से शब्दों का मिलान करने तथा खाली स्थान भरने संबंधी वर्ग पहेली सरीखे अभ्यास दिए गए हैं।
11. अंतिम दो पाठ (27-28) रोचक चित्र कथाओं पर आधारित हैं। स्वतंत्र मौखिक अभिव्यक्ति के लिए पूर्व पाठों में सिखलाई गई भाषिक संरचनाओं का आधार लेकर कथानक और संवाद प्रस्तुत किए गए हैं।
12. चित्रों का अधिक-से-अधिक उपयोग करके भाषा-शिक्षण को आकर्षक बनाने का यत्न किया गया है, ताकि विद्यार्थी बिना किसी मानसिक दबाव के हँसते-खेलते भाषा सीख सकें।
13. नई योजना के अनुसार पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त अभ्यास-पुस्तिका नहीं दी जा रही है। इसकी आपूर्ति के लिए प्रत्येक पाठ के अंत में अतिरिक्त अभ्यास दिए गए हैं।
14. आशा है, द्वितीय भाषा के रूप में हिंदी भाषा के शिक्षण और व्यवहार कौशल से विद्यार्थी को परिचित कराने में यह पाठ्यपुस्तक सहयोगी होगी। इस पाठ्यपुस्तक के परिवर्धन हेतु अध्यापक बंधुओं की ओर से दिए गए परामर्शों का हम आभार सहित स्वागत करेंगे।

© NCERT not to be republished

पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति

अध्यक्ष, भाषा सलाहकार समिति

नामवर सिंह, *पूर्व अध्यक्ष,* भारतीय भाषा केंद्र, जे.एन.यू., नयी दिल्ली।

मुख्य सलाहकार

पुरुषोत्तम अग्रवाल, *प्रोफ़ेसर,* भारतीय भाषा केंद्र, जे.एन.यू., नयी दिल्ली।

मुख्य समन्वयक

रामजन्म शर्मा, *प्रोफ़ेसर एवं अध्यक्ष,* भाषा शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली।

सदस्य

अक्षय कुमार दीक्षित, *हिंदी शिक्षक,* निगम माध्यमिक स्कूल, कैलाश कॉलोनी, नयी दिल्ली।

एच. बालसुब्रह्मण्यम्, *पूर्व सहायक निदेशक,* केंद्रीय हिंदी निदेशालय, नयी दिल्ली।

गोबिंद प्रसाद, *रीडर,* जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली।

पूरन सहगल, *निदेशक,* मालव लोक संस्कृति अनुष्ठान, 'कृष्णायन' उषा गंज, मनासा (मध्य प्रदेश)।

बी. प्रमीला देवी, *हिंदी शिक्षिका,* जवाहर नवोदय विद्यालय, कागज नगर, आंध्र प्रदेश।

सदस्य-समन्वयक

प्रमोद कुमार दुबे, *प्रवक्ता* (हिंदी), भाषा शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नयी दिल्ली।

© NCERT not to be republished

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक [1]**[संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य]** बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक **न्याय,**

विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म

और उपासना की **स्वतंत्रता,**

प्रतिष्ठा और अवसर की **समता**

प्राप्त कराने के लिए,

तथा उन **सब में**

व्यक्ति की गरिमा और [2]**[राष्ट्र की एकता और अखंडता]** सुनिश्चित करने वाली **बंधुता**

बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर **अपनी इस संविधान सभा में** आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. को **एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।**

---

1. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977 से) ''प्रभुत्व-संपन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य'' के स्थान पर प्रतिस्थापित।
2. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977 से) ''राष्ट्र की एकता'' के स्थान पर प्रतिस्थापित।

© NCERT not to be republished

आभार

पुस्तक के विकास में सहयोग के लिए दिलीप सिंह, कुल सचिव, दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, टी. नगर, चेन्नै; चंद्रिका माथुर, कृष्णमूर्ति स्कूल, ऋषि घाटी, कर्नाटक; अनुपम मिश्र, गाँधी शांति प्रतिष्ठान, दीनदयाल मार्ग, नयी दिल्ली और एकलव्य, भोपाल के प्रति हम विशेष रूप से आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने हर संभव सहयोग दिया।

परिषद् उन समस्त रचनाकारों के प्रति आभार व्यक्त करती है, जिनकी रचनाएँ पुस्तक में शामिल की गई हैं। रचनाओं के प्रकाशनार्थ अनुमति देने के लिए नर्मदाप्रसाद खरे (कविता– तितली); प्रकाशमनु (कविता– चिट्ठी); सर्वेश्वरदयाल सक्सेना-विभा सक्सेना (कविता– हाथी); द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी (कविता– बढ़े चलो) और दिनेश कुमार (कविता– फूल) के हम आभारी हैं।

पुस्तक के विकास के विभिन्न चरणों में सहयोग के लिए कमल कुमार, *संगणक संचालक;* भगवती अम्माल, *प्रूफ़ रीडर;* राम जी तिवारी, *प्रतिलिपि संपादक* और परशराम कौशिक, *प्रभारी,* संगणक कक्ष, एन.सी.ई.आर.टी. के हम आभारी हैं।

प्रकाशन विभाग द्वारा हमें पूर्ण सहयोग एवं सुविधाएँ प्राप्त हुईं, इसके लिए हम विशेष रूप से आभारी हैं।

© NCERT not to be republished

भारत का संविधान

भाग 4क

नागरिकों के मूल कर्तव्य

अनुच्छेद 51 क

मूल कर्तव्य – भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –

(क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;

(ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;

(ग) भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण बनाए रखे;

(घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;

(ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभावों से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो महिलाओं के सम्मान के विरुद्ध हों;

(च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;

(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;

(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;

(झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे;

(ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत् प्रयास करे, जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू सके; और

(ट) यदि माता-पिता या संरक्षक है, छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बालक या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

© NCERT not to be republished

विषय-सूची

आमुख

अध्यापक बंधुओं से

पहला पाठ **कलम** 1

दूसरा पाठ **किताब** 6

तीसरा पाठ **घर** 14

चौथा पाठ **पतंग** 20

पाँचवाँ पाठ **भालू** 26

छठा पाठ **झरना** 32

सातवाँ पाठ **धनुष** 37

आठवाँ पाठ **रूमाल** 42

नवाँ पाठ **कक्षा** 47

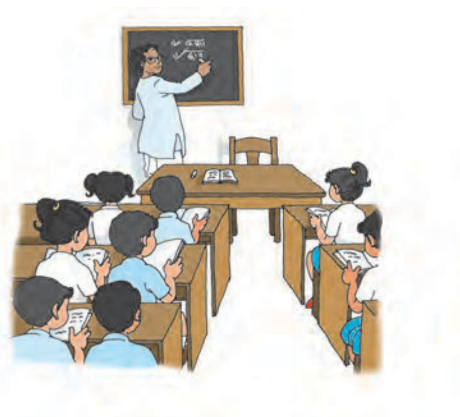

© NCERT not to be republished

दसवाँ पाठ 52
गुब्बारा

ग्यारहवाँ पाठ 57
पर्वत
- वर्णमाला
- बारहखड़ी
- संयुक्ताक्षर

बारहवाँ पाठ 65
हमारा घर

तेरहवाँ पाठ 70
कपड़े की दुकान में

चौदहवाँ पाठ 76
फूल

पंद्रहवाँ पाठ 79
बातचीत

सोलहवाँ पाठ 83
शिलांग से फोन

सत्रहवाँ पाठ 88
तितली

अठारहवाँ पाठ 91
ईश्वरचंद्र विद्यासागर

© NCERT not to be republished

उन्नीसवाँ पाठ 97
प्रदर्शनी

बीसवाँ पाठ 102
चिट्ठी

इक्कीसवाँ पाठ 104
अंगुलिमाल

बाईसवाँ पाठ 109
यात्रा की तैयारी

तेईसवाँ पाठ 114
हाथी

चौबीसवाँ पाठ 117
डॉक्टर के पास

पच्चीसवाँ पाठ 121
जयपुर से पत्र

छब्बीसवाँ पाठ 126
बढ़े चलो

सत्ताईसवाँ पाठ 129
व्यर्थ की शंका

अट्ठाईसवाँ 135
गधा और सियार

© NCERT not to be republished

भारत का संविधान

भाग-3 (अनुच्छेद 12-35)
(अनिवार्य शर्तों, कुछ अपवादों और युक्तियुक्त निर्बंधन के अधीन)
द्वारा प्रदत्त

मूल अधिकार

समता का अधिकार

- विधि के समक्ष एवं विधियों के समान संरक्षण;
- धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग या जन्मस्थान के आधार पर;
- लोक नियोजन के विषय में;
- अस्पृश्यता और उपाधियों का अंत।

स्वातंत्र्य-अधिकार

- अभिव्यक्ति, सम्मेलन, संघ, संचरण, निवास और वृत्ति का स्वातंत्र्य;
- अपराधों के लिए दोष सिद्धि के संबंध में संरक्षण;
- प्राण और दैहिक स्वतंत्रता का संरक्षण;
- छः से चौदह वर्ष की आयु के बच्चों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा;
- कुछ दशाओं में गिरफ्तारी और निरोध से संरक्षण।

शोषण के विरुद्ध अधिकार

- मानव के दुर्व्यापार और बलात श्रम का प्रतिषेध;
- परिसंकटमय कार्यों में बालकों के नियोजन का प्रतिषेध।

धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार

- अंतःकरण की और धर्म के अबाध रूप से मानने, आचरण और प्रचार की स्वतंत्रता;
- धार्मिक कार्यों के प्रबंध की स्वतंत्रता;
- किसी विशिष्ट धर्म की अभिवृद्धि के लिए करों के संदाय के संबंध में स्वतंत्रता;
- राज्य निधि से पूर्णतः पोषित शिक्षा संस्थाओं में धार्मिक शिक्षा या धार्मिक उपासना में उपस्थित होने के संबंध में स्वतंत्रता।

संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार

- अल्पसंख्यक-वर्गों को अपनी भाषा, लिपि या संस्कृति विषयक हितों का संरक्षण;
- अल्पसंख्यक-वर्गों द्वारा अपनी शिक्षा संस्थाओं का स्थापन और प्रशासन।

सांविधानिक उपचारों का अधिकार

- उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालय के निर्देश या आदेश या रिट द्वारा प्रदत्त अधिकारों को प्रवर्तित कराने का उपचार।

© NCERT not to be republished

पहला पाठ

कलम

शिक्षण बिंदु

अ आ ा क ल म र न

अनार — अ ना र

आम — आ ा म

मकान — म का न

नल — न ल

शिक्षण संकेत

- श्यामपट पर **अनार** लिखें और उसका चित्र दिखाते हुए विद्यार्थियों से बार-बार बुलवाएँ।
- इसी तरह **आम, नल, मकान** के चित्र दिखाएँ। वर्णों की अलग-अलग पहचान करवाते हुए बार-बार बुलवाएँ।

© NCERT not to be republished

2. पहचानो और बोलो

क	ल	म	र	न	अ
का	ला	मा	रा	ना	आ

3. सुनो और बोलो

आम	कान	काला	अनार	कमरा
काम	नाक	नाला	कमल	कमला
नल	माल	माला	कलम	कमान
नाम	लाल	मामा	नमक	मकान
दाम	गाल	नाना	कदम	समान

4. नीचे दिए गए वर्णों को लिखने का अभ्यास करो

अ अ

आ आ

क क

ल ल

म म

र र

न न

© NCERT not to be republished

5. चित्रों के अधूरे नाम पूरे करो

ना —

मा—

म—न

6. घड़े में से वर्ण एवं मात्रा को चुनकर सार्थक शब्द बनाओ और नीचे लिखो, जैसे –
नल, कलम

दो वर्ण वाले शब्द

____

____

____

तीन वर्ण वाले शब्द

____

____

____

योग्यता विस्तार

- शिक्षण बिंदु में दिए गए सभी वर्णों तथा मात्राओं को लिखने का अभ्यास करें।
- विद्यार्थी क म न र ल अ आ और ा की सहायता से अन्य शब्द बनाएँ।
- 'सुनो और बोलो' शीर्षक के शब्दों के लिए अपनी-अपनी भाषा में आनेवाले शब्दों को एक दूसरे को बताएँ।

© NCERT not to be republished

मौखिक पाठ

शिक्षण बिंदु

यह/वह (क्या) है?
यह/वह (कलम) है

1. अध्यापक वाक्य बोलेंगे और विद्यार्थी सुनेंगे

अध्यापक (कुछ वस्तुएँ/चित्र दिखाते हुए)

यह कलम है।

यह आम है।

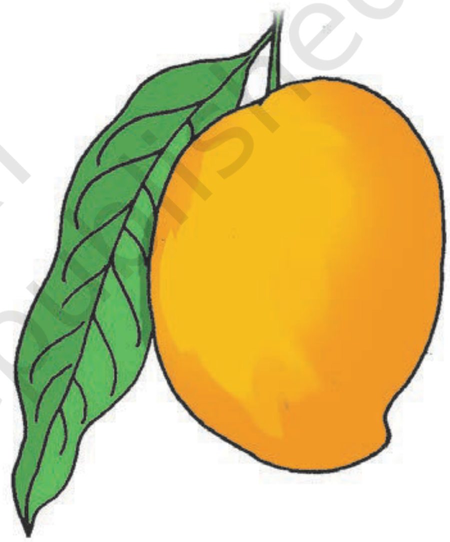

यह मकान है।

यह कमरा है।

© NCERT not to be republished

2. अध्यापक वाक्य बोलेंगे और विद्यार्थी दोहराएँगे

अध्यापक	विद्यार्थी
यह कलम है।	यह कलम है।
यह मकान है।	यह मकान है।
यह अनार है।	यह अनार है।
यह कान है।	यह कान है।
यह कमरा है।	यह कमरा है।

3. दूर की वस्तुओं की ओर संकेत करते हुए अध्यापक वह... है वाक्यों का अभ्यास कराएँ, जैसे–

वह कलम है। वह मकान है।

वह अनार है। वह कमरा है। आदि ...

4. प्रश्नोत्तर अभ्यास

पास की तथा दूर की वस्तुओं की ओर संकेत करते हुए अध्यापक नमूने के अनुसार प्रश्न पूछें और विद्यार्थी उत्तर दें।

नमूना

अध्यापक : यह क्या है?

विद्यार्थी : यह कलम है।

अध्यापक : वह क्या है?

विद्यार्थी : वह नल है।

योग्यता विस्तार

- शिक्षण बिंदु में दिए गए सभी वर्णों तथा मात्राओं को लिखने का अभ्यास करें।
- विद्यार्थी क म न र ल अ आ और ा की सहायता से अन्य शब्द बनाएँ।

© NCERT not to be republished

दूसरा पाठ

किताब

शिक्षण बिंदु

इ ई ि ी ज ड़ त द ब व स

इमली | इ म ली

किताब | कि ता ब

लड़की | ल ड़ की

ईख | ई ख

© NCERT not to be republished

जाल जा ल

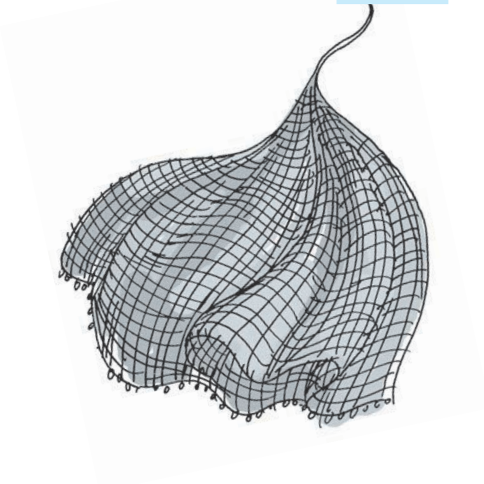

नाव ना व

बस ब स

© NCERT not to be republished

2. पहचानो और बोलो

जाल	लड़की	बस	ईख	इमली	नाव	किताब	
ड़	स	इ	व	त	ज	ई	ब

शिक्षण संकेत

- श्यामपट पर **किताब** लिखें और उसका चित्र दिखाते हुए विद्यार्थियों से बार-बार बुलवाएँ।
- इसी तरह **इमली**, **ईख**, **जाल**, **लड़की**, **नाव**, **बस** के चित्र दिखाएँ और वर्णों की अलग-अलग पहचान कराते हुए बार-बार बुलवाएँ।

3. सुनो और बोलो

आज	ताला	ईख	अनाज	इमली	अलमारी
जाल	दाना	इकाई	दवात	तितली	तरकारी
दाल	बाबा	कील	बादल	दीवार	सरकार
माल	मामा	तीर	सारस	मदारी	दरवाज़ा

4. नीचे दिए गए वर्णों को लिखने का अभ्यास करो

इ इ

ई ई

ज ज

ड़ ड़

त त

द द

ब ब

व व

स स

© NCERT not to be republished

5. रेखा खींचकर शब्द और चित्र का मिलान करो

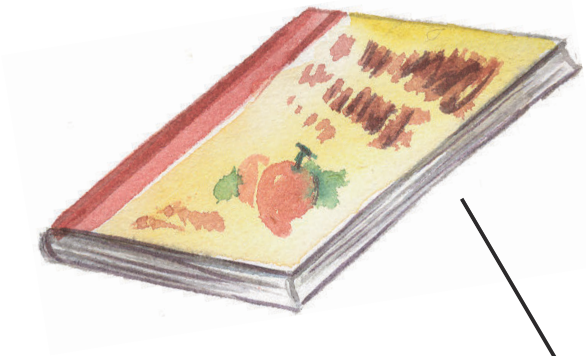

जाल

तितली

कान

किताब

सारस

लड़की

© NCERT not to be republished

शिक्षण संकेत

- पहचानो और बोलो तथा सुनो और पढ़ो के अंतर्गत आए वर्णों/शब्दों को श्यामपट पर लिखकर बार-बार बुलवाएँ, दिखाएँ व उनकी पहचान करवाएँ। इसके लिए वर्णों के फ़्लैश कार्ड का प्रयोग कर सकते हैं। इसके बाद कुछ विद्यार्थियों से चुने हुए शब्दों का वाचन भी करवाएँ ।
- अध्यापक खेल विधि का भी प्रयोग कर सकते हैं। सभी विद्यार्थियों के पास एक-एक वर्ण का कार्ड होगा और वे क्रम में खड़े होकर शब्द बनाएँगे।
- दिए गए वर्ण विद्यार्थियों को सही बनावट में लिखना सिखाएँ और विद्यार्थियों से अपनी नोटबुक में भी लिखने को कहें।

योग्यता विस्तार

- शिक्षण बिंदु में दिए गए सभी वर्णों तथा मात्राओं को श्यामपट पर लिखें और विद्यार्थियों से बार–बार इनकी पहचान करवाएँ ।
- विद्यार्थियों से व ब त ड़ द र ज इ ई ि ी की सहायता से अन्य शब्द बनवाकर बुलवाएँ।
- कुछ विद्यार्थियों के पास चित्रवाले कार्ड होंगे और दूसरे विद्यार्थियों के पास वर्ण वाले फ़्लैश कार्ड। चित्र दिखाने पर विद्यार्थी उस चित्र के नामवाले वर्णों को दिखाएँगे और उन्हें सजाकर शब्द बनाएँगे। इस तरह शब्द बनाने का खेल खेलेंगे।

© NCERT not to be republished

मौखिक पाठ

शिक्षण बिंदु

यह/वह कौन है?
क्या यह (कलम) है?
यह कलम नहीं, किताब है।

1. अध्यापक वाक्य बोलेंगे और विद्यार्थी दोहराएँगे

अध्यापक : *(समीप के विद्यार्थी को दिखाकर)*

यह कौन है?

यह मोहन है।

यह कौन है?

यह लीला है।

अध्यापक : *(दूर की लड़की को दिखाकर)*

वह कौन है?

वह सलमा है।

वह कौन है?

वह राजन है।

© NCERT not to be republished

2. अध्यापक वाक्य बोलेंगे और सभी विद्यार्थी एक साथ दोहराएँगे

अध्यापक	विद्यार्थी
यह कौन है?	यह कौन है?
यह जीनी है।	यह जीनी है।
वह कौन है?	वह कौन है?
वह रतनलाल है।	वह रतनलाल है।

3. (क) अध्यापक अलग-अलग विद्यार्थियों की ओर संकेत करते हुए प्रश्न पूछें और विद्यार्थी उत्तर दें

अध्यापक	विद्यार्थी
यह कौन है?	यह मीना है।
वह कौन है?	वह ज़ीशान है।
यह कौन है?	यह लीला है।
वह कौन है?	वह अनिल है।

(ख) अध्यापक वस्तुएँ या चित्र दिखाकर प्रश्न पूछें और विद्यार्थी उत्तर दें

अध्यापक	विद्यार्थी
यह क्या है?	यह अलमारी है।
वह क्या है?	वह दरवाज़ा है।
यह क्या है?	यह कलम है।
वह क्या है?	वह मकान है।

4. प्रश्नोत्तर अभ्यास

अध्यापक कलम दिखाकर पूछेंगे और उत्तर देंगे

क्या यह किताब है?

यह किताब नहीं, कलम है।

© NCERT not to be republished

छात्र इस उत्तर को दोहराएँगे–

यह किताब नहीं, कलम है।

अध्यापक(दरवाज़ा दिखाते हुए)	: क्या वह दीवार है?
छात्र	: वह दीवार नहीं, दरवाज़ा है।
अध्यापक(अनार का चित्र दिखाते हुए)	: क्या यह आम है?
छात्र	: यह आम नहीं, अनार है।
अध्यापक(नाव का चित्र दिखाते हुए)	: क्या यह बस है?
छात्र	: यह बस नहीं, नाव है।

इसी तरह कक्षा की अन्य वस्तुएँ दिखाकर यह अभ्यास जारी रख सकते हैं।

योग्यता विस्तार

- छात्र इसी तरह क्रम से दूसरे छात्रों की ओर संकेत करते हुए यह कौन है।/वह कौन है संरचना का अभ्यास करें, जैसे–

  छात्र 1: यह कौन है?

  छात्र 2: यह (मदन) है। वह कौन है?

  छात्र 3: वह (लता) है। यह कौन है?

  छात्र 4: यह (राजन) है। वह कौन है? ...आदि

© NCERT not to be republished

तीसरा पाठ

घर

शिक्षण बिंदु

ऊ ू ग घ प य ह

ऊन ऊ न

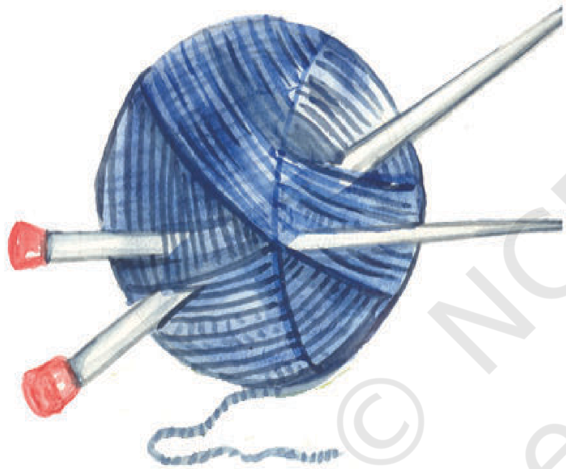

गाय गा य

तराज़ू त रा ज़ू

घर घ र

© NCERT not to be republished

पान | **पा न**

हल | **ह ल**

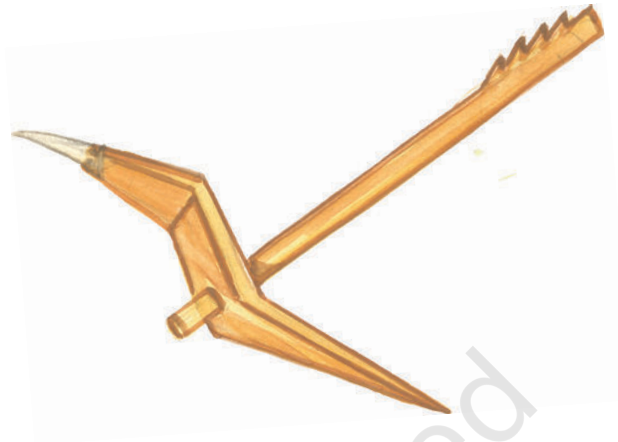

2. पहचानो और बोलो

ऊन	गमला	तराज़ू	पान	हल	घर	किताब
ग	पा	ह	ज़ू	घ		

3. सुनो और पढ़ो

ऊन	घड़ा	गगन	गायक	पहला
जून	घड़ी	गमला	नायक	दूसरा
जूता	ताऊ	तबला	पालक	तीसरा
गीता	ताई	महीना	पालकी	तसवीर

शिक्षण संकेत

- श्यामपट पर **घर** लिखें और उसका चित्र दिखाते हुए विद्यार्थियों से बार-बार बुलवाएँ।
- इसी तरह **ऊन, घर, तराज़ू, पान, हल** के चित्र दिखाएँ। वर्णों की अलग-अलग पहचान करवाते हुए बार-बार बुलवाएँ।

© NCERT not to be republished

4. नीचे दिए गए वर्णों को लिखने का अभ्यास करो

ऊ	ऊ
ग	ग
घ	घ
प	प
य	य
ह	ह

© NCERT not to be republished

शिक्षण संकेत

- पहचानो और बोलो के अंतर्गत आए वर्णों को बार-बार बुलवाकर उनकी पहचान करवाएँ। इसके लिए वर्णों के फ़्लैश कार्ड का प्रयोग कर सकते हैं।
- अध्यापक खेल विधि का भी प्रयोग कर सकते हैं। सभी विद्यार्थियों के पास एक-एक वर्ण का कार्ड होगा और वे क्रम में खड़े होकर शब्द बनाएँगे।
- सुनो और पढ़ो के अंतर्गत श्यामपट/फ़्लैश कार्ड पर लिखे शब्दों को दिखाएँ। विद्यार्थियों से अलग-अलग और फिर एक साथ बुलवाएँ। इसके बाद कुछ विद्यार्थियों से चुने हुए शब्दों का वाचन भी करवाएँ ।
- दिए गए वर्ण विद्यार्थियों को सही बनावट में लिखना सिखाएँ और विद्यार्थियों से अपनी नोटबुक में भी लिखने को कहें।

5. रेखा खींचकर शब्द और चित्र का मिलान करो

कबूतर

पपीता

तालाब

पालकी

महल

तराज़ू

मटका

© NCERT not to be republished

योग्यता विस्तार

- शिक्षण बिंदु में दिए गए सभी वर्णों को श्यामपट पर लिखें और विद्यार्थियों से इनकी पहचान करवाएँ। मात्राओं से बननेवाले शब्दों का भी अभ्यास करवाएँ।
- विद्यार्थियों से **ग घ प ह य ऊ ू ँ** की सहायता से अन्य शब्द बनवाकर बुलवाएँ। इन नए शब्दों को विद्यार्थियों से श्यामपट पर लिखवाएँ।

मौखिक पाठ

शिक्षण बिंदु

क्या यह/वह किताब है?

हाँ/नहीं यह/वह किताब नहीं है।

1. अध्यापक वाक्य बोलेंगे और विद्यार्थियों से जी हाँ/ जी नहीं वाक्य के साथ जोड़कर अभ्यास करवाएँगे।

अध्यापक *(किताब दिखाते हुए)* : क्या यह किताब है?

: जी हाँ, यह किताब है।

अध्यापक *(कॉपी दिखाते हुए)* : क्या यह किताब है?

: जी नहीं, यह किताब नहीं है।

2. अध्यापक बोलेंगे और विद्यार्थी दोहराएँगे

अध्यापक	विद्यार्थी
क्या यह कलम है?	क्या यह कलम है?
हाँ, यह कलम है।	हाँ, यह कलम है।
नहीं, यह कलम नहीं है।	नहीं, यह कलम नहीं है।

इसी तरह कक्षा की अन्य वस्तुओं की ओर संकेत करते हुए।

3. प्रश्नोत्तर अभ्यास

अध्यापक अलग-अलग वस्तुएँ/चित्र दिखाते हुए प्रश्न पूछें और विद्यार्थी उत्तर दें

अध्यापक *(कॉपी दिखाते हुए)* : क्या यह कॉपी है?

विद्यार्थी: जी हाँ, यह कॉपी है।

अध्यापक *(हल का चित्र दिखाते हुए)*: क्या यह तराजू है?

© NCERT not to be republished

विद्यार्थी: जी नहीं, यह तराजू नहीं है। यह हल है।

अध्यापक *(घड़ी दिखाते हुए)*: क्या वह घड़ी है?

विद्यार्थी: जी हाँ, वह घड़ी है।

अध्यापक *(दीवार दिखाते हुए)*: क्या यह दरवाज़ा है?

विद्यार्थी: जी नहीं, वह दरवाज़ा नहीं है। वह दीवार है।

अध्यापक *(दवात दिखाते हुए)*: क्या यह दवात है।

विद्यार्थी: जी हाँ यह दवात है।

अध्यापक इसी तरह गमला, अलमारी, किताब आदि अलग-अलग वस्तुएँ दिखाते हुए जी हाँ..., जी नहीं... वाक्यों का अभ्यास कराएँ।

4. **घड़े में से अक्षर चुनकर सार्थक शब्द बनाओ और नीचे लिखो, जैसे-**

गाना	*तालाब*
....	....
....	....
....	....
....	....

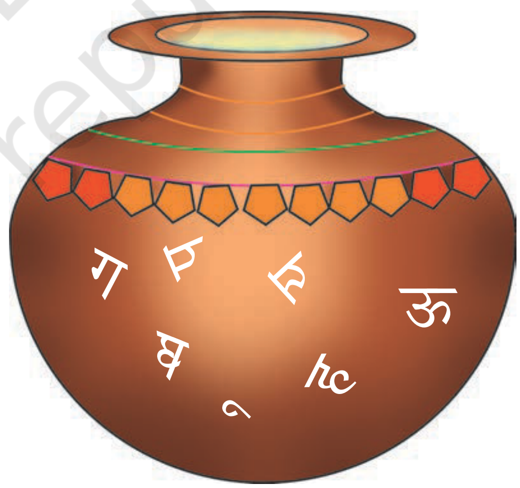

योग्यता विस्तार

- विद्यार्थियों के स्तर को ध्यान में रखते हुए उसके आसपास के नए-नए शब्दों और वस्तुओं को बातचीत का विषय बनाएँ।
- यदि नए शब्द प्रयोग में लाएँ तो उन्हें केवल मौखिक रूप में प्रस्तुत करें। उनके लिखित रूप विद्यार्थियों के सामने न लाएँ।
- मातृभाषा प्रभाव के कारण कुछ विद्यार्थियों के उच्चारण में गलती होने पर उसे न रोकें। विद्यार्थियों की सहज अभिव्यक्ति की प्रशंसा करें। धीरे-धीरे उच्चारण का मानक रूप बार-बार बोलकर सही उच्चारण सामने लाएँ।

© NCERT not to be republished

चौथा पाठ

पतंग

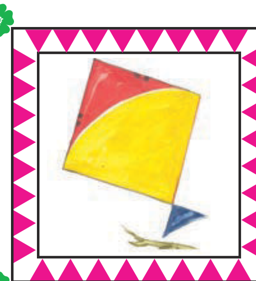

शिक्षण बिंदु

ओ ो ं ख च ड श

ओखली

ओ ख ली

पतंग

प तं ग

चाबी

चा बी

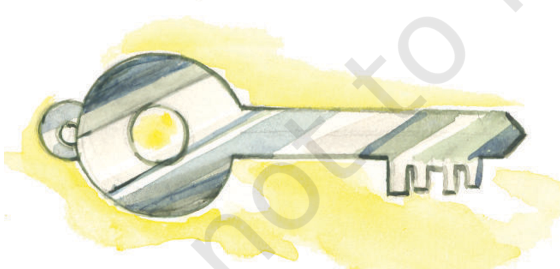

खरगोश

ख र गो श

© NCERT not to be republished

शिक्षण संकेत

- श्यामपट पर **पतंग** लिखें और उसका चित्र दिखाते हुए विद्यार्थियों से बार-बार बुलवाएँ।
- इसी तरह **ओखली**, **खरगोश**, **चाबी**, **डाकिया**, **शलगम** के चित्र दिखाएँ। वर्णों की अलग-अलग पहचान करवाते हुए बार-बार बुलवाएँ।

डाकिया डा कि या

शलगम श ल ग म

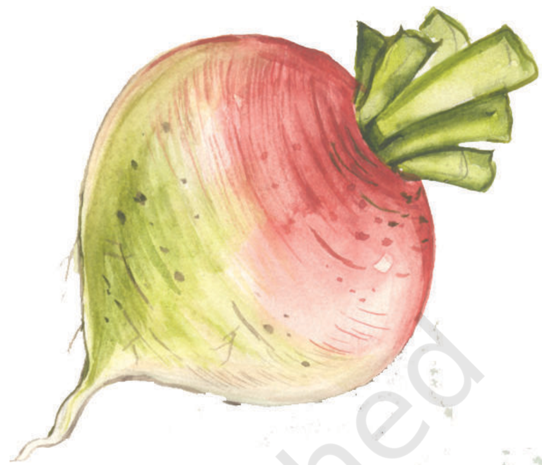

2. पहचानो और बोलो

श	ड	ओ	च	ख	
खरगोश	डाकिया	चाबी	ओखली	शलगम	पतंग

3. सुनो और बोलो

अंग	अंदर	काका	खाक	चिमनी
शबनम	शंख	बंदर	चाचा	डाक
खिड़की	शरबत	गंगा	पतंग	आशा
खीर	गलीचा	शलगम	पंपा	चंदन
शीशा	चोर	बगीचा	सरकस	लंका
मंगल	शाखा	मोर	शिकारी	सरगम
शंका	शंकर	काशी	शोर	किनारी

© NCERT not to be republished

4. नीचे दिए गए वर्णों को लिखने का अभ्यास करो

औ	औ
ख	ख
च	च
ड	ड
श	श

योग्यता विस्तार

- शिक्षण बिंदुवाले सभी वर्णों तथा मात्राओं को श्यामपट पर लिखें और विद्यार्थियों से बारी-बारी उनकी पहचान करवाएँ।
- विद्यार्थियों से **ख च ट ड श ओ** इन वर्णों की सहायता से अन्य शब्द बनवाकर बुलवाएँ। कुछ विद्यार्थियों से इन नए शब्दों को श्यामपट पर लिखवाएँ।
- अलग-अलग विद्यार्थियों के पास अलग-अलग चित्रों के कार्ड होंगे। दूसरे विद्यार्थियों के पास अलग-अलग वर्णों के कार्ड होंगे। चित्र दिखाने पर विद्यार्थी क्रम से खड़े होकर उनके शब्द बनाएँ।
- अध्यापक श्यामपट पर शब्द लिखें और विद्यार्थियों को बारी-बारी बुलाकर उसका चित्र बनवाएँ।
- अध्यापक श्यामपट पर चित्र बनाएँगे। बुलाया गया विद्यार्थी उसके नीचे शब्द लिखेगा।

शिक्षण संकेत

- पहचानो और बोलो के अंतर्गत आए वर्णों को बार-बार बुलवाकर उनकी पहचान करवाएँ। उसके लिए वर्णों के फ्लैश कार्ड का प्रयोग कर सकते हैं। अध्यापक खेल-विधि का भी प्रयोग कर सकते हैं। सभी विद्यार्थियों के पास एक-एक वर्ण का कार्ड होगा और वे क्रम में खड़े होकर शब्द बनाएँगे।
- सुनो और बोलो के अंतर्गत श्यामपट/फ़्लैश कार्ड पर लिखे शब्दों को दिखाएँ। विद्यार्थियों से अलग-अलग और फिर एक साथ बुलवाएँ। इसके बाद कुछ विद्यार्थियों से चुने हुए शब्दों का वाचन भी करवाएँ।
- नीचे दिए गए वर्णों के अंतर्गत आवश्यक वर्णों को विद्यार्थियों से सही बनावट में लिखना सिखाएँ और विद्यार्थियों से अपनी नोट बुक में भी लिखने के लिए कहें।

© NCERT not to be republished

5. रेखा खींचकर शब्द और चित्र का मिलान करो

टमाटर

शलगम

मोर

चाबी

डाकिया

खरगोश

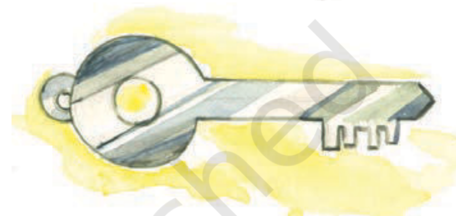

© NCERT not to be republished

मौखिक पाठ

शिक्षण बिंदु

कमरा बड़ा है। गाड़ी नई है। यह लता का घर है।
यह मोहन की घड़ी है। तोता हरा होता है।

1. अध्यापक वाक्य बोलेंगे और विद्यार्थी सुनेंगे

यह बढ़िया मकान है। यह लता का घर है।

लता का घर बड़ा है।

वह नई गाड़ी है। वह गोपाल की गाड़ी है।

गोपाल की गाड़ी नई है।

यह नया कमरा है। यह शीला का कमरा है।

शीला का कमरा नया है।

यह अलमारी बड़ी है। यह पिता जी की अलमारी है।

पिता जी की अलमारी बड़ी है।

2. अध्यापक बोलेंगे और विद्यार्थी दोहराएँगे

पिता जी की अलमारी बड़ी है। चाची जी की अलमारी नई है।

शीला का कमरा बड़ा है। मोहन का कमरा बड़ा नहीं है।

तोता हरा होता है। कोयल काली होती है।

अनार लाल होता है। पपीता पीला होता है।

आसमान नीला है। बादल काला है।

© NCERT not to be republished

3. **अध्यापक पहला वाक्य बोलेंगे और विद्यार्थी दोहराएँगे**

फिर अध्यापक केवल आधा वाक्य बोलें और विद्यार्थी उसे पूरा करके दोहराएँ

अध्यापक लता का घर बड़ा है। **विद्यार्थी लता का घर बड़ा है।**

लीला रमेश की .... है।	.... बहन/लड़की/चाची
साड़ी .... है।	.... हरी /पीली/लाल
चाची जी का मकान .... है।	.... दूर/नया/बड़ा
आसमान .... होता है।	.... नीला/लाल/काला

नोट : रिक्त स्थान के लिए दिए गए विकल्पों में से अध्यापक/अध्यापिका अपनी इच्छानुसार एक या एक से अधिक विकल्पों का चयन वाक्य पूर्ण करने के लिए कर सकते हैं।

4. **वस्तुओं/चित्रों को दिखाते हुए अध्यापक नमूने के अनुसार प्रश्न पूछें और विद्यार्थी उत्तर दें**

नमूना:

अध्यापक: पपीता पीला है?	विद्यार्थी: जी हाँ, पपीता पीला है।
अध्यापक: तोता नीला होता है?	विद्यार्थी: जी नहीं, तोता हरा होता है।
अध्यापक कोयल काली होती है?	**विद्यार्थी** ....
टमाटर नीला होता है?	....
आसमान हरा है?	....
मोर नीला होता है?	....

योग्यता विस्तार

- विद्यार्थी आपस में कक्षा की वस्तुओं की ओर संकेत करते हुए उनके रंग को पहचानकर प्रश्न पूछें और हाँ/नहीं में उत्तर दें।
- विद्यार्थी **बड़ा, नया, नई, हरा, काला** विशेषणों की सहायता से वाक्य बनाएँ।

पाँचवाँ पाठ

भालू

शिक्षण बिंदु

उ ु ए े ँ ज़ ट ठ छ भ

उँगली   उँ ग ली

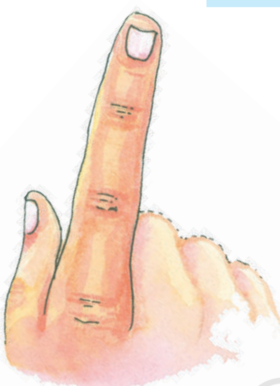

पुल   पु ल

भालू   भा लू

ठेला   ठे ला

© NCERT to be republished

छतरी **छ त री** **टमाटर** **ट मा ट र**

एड़ी **ए ड़ी** **मेज़** **मे ज़**

© NCERT not to be republished

शिक्षण संकेत

- श्यामपट पर **छतरी** लिखें और उसका चित्र दिखाते हुए विद्यार्थियों से बार-बार बुलवाएँ।
- इसी तरह **उँगली**, **पुल**, **एड़ी**, **मेज**, **टमाटर**, **ठेला**, **भालू** के चित्र दिखाएँ। वर्णों की अलग-अलग पहचान करवाते हुए बार-बार बुलवाएँ।

2. सुनो और बोलो

आठ	टीका	चटाई	छतरी	आँख	भजन	टमटम
ठाठ	मीठा	मिठाई	छलनी	चाँद	भवन	टमाटर
पाठ	चीज	पटाखा	मछली	दाँत	अभय	नाशपाती
खाट	छाछ	ठठेरा	गठरी	बाँस	सभा	ठाठ-बाट
टाट	छोटा	टोकरी	ज़ेब	साँस	भीतर	पाठशाला
काठ	लोटा	कटोरी	केला	ऊँचा	भोला	लोक-सभा

3. बार-बार बोलो

चंद-चाँद	नाच-छाछ	दंत-दाँत	काट-काठ	पंच-पाँच
बाई-भाई	वंश-बाँस	चोर-छोर	हंस-हँस	पाट-पाठ

4. नीचे दिए गए वर्णों को लिखने का अभ्यास करो

उ उ

ए ए

ट ट

ठ ठ

छ छ

भ भ

© NCERT not to be republished

5. चित्रों के नाम लिखो

....

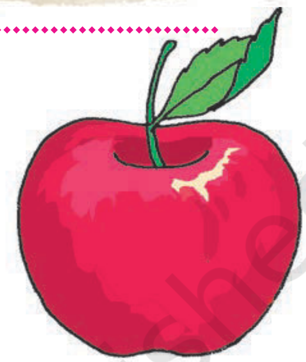

....

योग्यता विस्तार

- शिक्षण बिंदु के सभी वर्णों/मात्राओं को श्यामपट पर लिखकर अध्यापक विद्यार्थियों से बार-बार उनकी पहचान करवाएँगे।
- चंद्र बिंदु (ँ) वाले कुछ शब्द, जैसे – **आँख, पाँच, साँस, बाँस, हूँ** आदि जैसे– हंस, वंश श्यामपट पर लिखें और उनका उच्चारण करवाएँ। अनुस्वार वाले शब्दों और चंद्र बिंदुवाले शब्दों जैसे – बाँस, हंस, हँसना के उच्चारण के अंतर को बताएँ

शिक्षण संकेत

- पहचानो और बोलो के अंतर्गत आए वर्णों को बार-बार बुलवाकर उनकी पहचान करवाएँ। उसके लिए वर्णों के फ़्लैश कार्ड का प्रयोग कर सकते हैं।
- अध्यापक खेल विधि का भी प्रयोग कर सकते हैं। हर विद्यार्थी के पास एक एक वर्ण का कार्ड होगा और वे क्रम में खड़े होकर शब्द बनाएँगे।
- सुनो और बोलो के अंतर्गत श्यामपट फ़्लैश कार्ड पर लिखे शब्दों को दिखाएँ। विद्यार्थियों से अलग-अलग और फिर एक साथ बुलवाएँ। उसके बाद कुछ विद्यार्थियों को चुने हुए शब्दों का वाचन भी करवाएँ।
- अलग-अलग विद्यार्थियों के पास अलग-अलग चित्रों के कार्ड होंगे। दूसरे विद्यार्थियों के पास वर्णों के कार्ड होंगे। चित्र दिखाने पर विद्यार्थी क्रम से वर्ण दिखाते हुए शब्द बनाएँ।

© NCERT not to be republished

मौखिक पाठ

शिक्षण बिंदु

मेरा घर	मेरी किताब
हमारा मकान	हमारी अलमारी
तुम्हारा कमरा	तुम्हारी कलम
कहाँ में/पर	

1. अध्यापक वाक्य बोलेंगे, विद्यार्थी सुनेंगे और दोहराएँगे

अध्यापक	विद्यार्थी
यह मेरा घर है।	यह मेरा घर है।
यह हमारी पाठशाला है।	यह हमारी पाठशाला है।
यह तुम्हारी कलम है।	यह तुम्हारी कलम है।
तुम्हारी किताब कहाँ है?	तुम्हारी किताब कहाँ है?
मेरी किताब मेज़ पर है।	मेरी किताब मेज़ पर है।
आपका घर कहाँ है?	आपका घर कहाँ है?
घड़ी जेब में है।	घड़ी जेब में है।
किताब में चित्र है।	किताब में चित्र है।

2. अध्यापक वाक्य बोलेंगे और विद्यार्थी दोहराएँगे

अध्यापक	विद्यार्थी
मोहन मेरा भाई है।	मोहन मेरा भाई है।
शीला मेरी बहन है।	शीला मेरी बहन है।
भारत हमारा देश है।	भारत हमारा देश है।
गंगा हमारी नदी है।	गंगा हमारी नदी है।
तुम्हारा घर कहाँ है?	तुम्हारा घर कहाँ है?
मेरा घर जनकपुरी में है।	मेरा घर जनकपुरी में है।

© NCERT not to be republished

3. प्रश्नोत्तर अभ्यास

अध्यापक अलग-अलग विद्यार्थियों से प्रश्न पूछें और विद्यार्थी उत्तर दें

विद्यार्थी, जी हाँ और जी नहीं, दोनों प्रकार के उत्तर दे सकते हैं।

क्या तुम्हारा नाम मदन है?

क्या यह तुम्हारा कमरा है?

क्या मोहन आप का भाई है?

क्या सरला तुम्हारी बहन है?

क्या यह आपका घर है?

क्या यह आपकी घड़ी है?

योग्यता विस्तार

- **विद्यार्थी आपस में प्रश्न पूछकर एक दूसरे का परिचय प्राप्त करें, जैसे–**

तुम्हारा नाम क्या है?

तुम्हारा घर कहाँ है?

तुम्हारे भाई का नाम क्या है?

शिक्षण संकेत

- सरल वाक्य और नकारात्मक जी हाँ और जी नहीं का प्रयोग करते हुए कक्षा में उपस्थित सामग्री, वस्तु और वातावरण से ही उदाहरण चुनें और विद्यार्थियों से बुलवाएँ।

© NCERT not to be republished

छठा पाठ

झरना

शिक्षण बिंदु

ऐ ै झ ढ ढ़ थ फ

ऐनक — ऐ न क

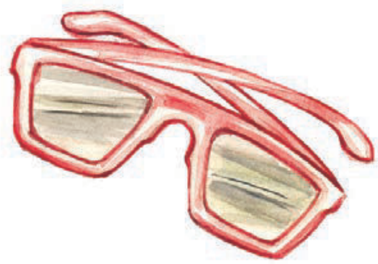

थैला — थै ला

झरना — झ र ना

फल — फ ल

सीढ़ी — सी ढ़ी

ढोलक — ढो ल क

© NCERT not to be republished

शिक्षण संकेत

- श्यामपट पर **झरना** लिखें और उसका चित्र दिखाते हुए विद्यार्थियों से बार-बार बुलवाएँ।
- इसी तरह **ऐनक, फल, थैला, ढोलक, सीढ़ी** के चित्र दिखाएँ। वर्णों की अलग-अलग पहचान करवाते हुए बार-बार बुलवाएँ।

2. पहचानो और बोलो

थैला	फल	ऐनक	ढोलक	सीढ़ी	झरना
थ	फ	ऐ	ढ	ढ़ी	झ

3. सुनो और बोलो

फल	ऐसा	झाँकी	थन	ऐनक	ऐरावत
फूल	कैसा	झाँसी	फन	झलक	भारतीय
फिर	पैसा	झाड़ी	थाना	ढोलक	झटपट
ढाक	मैदा	सीढ़ी	दाना	मेंढक	झुनझुना
दाल	बैल	झूला	हाथी	फाटक	फुटबाल
साल	भैंस	झोला	साथी	फावड़ा	थुलथुला

4. बार-बार बोलो

डाल-ढाल बला-भला मकान-महान जेल-झेल चाल-जाल कमला-गमला

5. नीचे दिए गए वर्णों को लिखने का अभ्यास करो

ए ए

झ झ

ढ ढ

ढ़ ढ़

थ थ

फ फ

© NCERT not to be republished

6. चित्रों के नाम लिखो

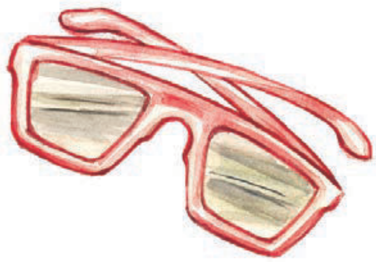

....

....

....

© NCERT not to be republished

योग्यता विस्तार

- एक स्थान पर चित्र और दूसरे स्थान पर वर्णों के कार्ड रखे होंगे। एक विद्यार्थी एक स्थान से कोई चित्र उठाएगा और दूसरे विद्यार्थी उसके अनुसार वर्णों के कार्ड चुनकर शब्द बनाएँगे।

मौखिक पाठ

शिक्षण बिंदु

मैं हूँ / तुम हो/यह / वह है
ये / वे हैं   हम / आप

1. अध्यापक वाक्य बोलेंगे और विद्यार्थी सुनेंगे

मैं अध्यापक हूँ ।
तुम विद्यार्थी हो।
तुम राजन हो।
यह लड़की है।
यह नलिनी है।
आप कौन हैं?
हम भारतीय हैं।
आप कौन हैं?
वह डाकिया है।
यह मेरा भाई है।
वे मेरे पिता जी हैं।
ये मेरे चाचा जी हैं।

2. अध्यापक वाक्य बोलेंगे तथा सभी विद्यार्थी एक साथ दोहराएँगे

अध्यापक	विद्यार्थी
तुम कौन हो?	तुम कौन हो?
मैं विद्यार्थी हूँ।	मैं विद्यार्थी हूँ।
आप कौन हैं?	आप कौन हैं?
मैं अध्यापक हूँ।	मैं अध्यापक हूँ।
हम सब विद्यार्थी हैं।	हम सब विद्यार्थी हैं।
हम सब भारतीय हैं।	हम सब भारतीय हैं।
वह मेरा भाई है।	वह मेरा भाई है।
यह मेरी बहन है।	यह मेरी बहन है।
वे कौन हैं?	वे कौन हैं?

© NCERT not to be republished

वे भी अध्यापक हैं।	वे भी अध्यापक हैं।
ये हमारे साथी हैं।	ये हमारे साथी हैं।

3. प्रश्नोत्तर अभ्यास

अध्यापक प्रश्न पूछेंगे और विद्यार्थी उत्तर देंगे–

अध्यापक	विद्यार्थी
तुम कौन हो?	मैं विद्यार्थी हूँ। मेरा नाम अनिल है।
यह कौन है?	यह सरिता है। यह मेरी बहन है।
वह लड़का कौन है?	वह गोपाल है। वह मेरा भाई है।
आप का घर कहाँ है?	हमारा घर गाँधी नगर में है।
ये लोग कौन हैं?	वे लोग जापानी हैं।
क्या, ये तुम्हारे पिता जी हैं?	जी हाँ, ये मेरे पिता जी हैं।

योग्यता विस्तार

- ऊपर दिए गए संवादों के अनुसार विद्यार्थी आपस में संवाद करेंगे।
- घर में आए हुए सहपाठी से अपने परिवारजनों का परिचय करवाएँगे।
- विद्यार्थियों को छोटे-छोटे समूह में बाँटकर कुछ विषय बातचीत के लिए दिए जाएँ। जैसे– घर, परिवार, भारत। अध्यापक उनकी बातचीत को दूर से ही ध्यानपूर्वक सुनें।

© NCERT not to be republished

सातवाँ पाठ

धनुष

शिक्षण बिंदु

औ ौ ण ध ष

औरत — औ र त

पौधा — पौ धा

धागा — धा गा

बाण — बा ण

धनुष — ध नु ष

© NCERT not to be republished

शिक्षण संकेत

- श्यामपट पर **धनुष** लिखें और उसका चित्र दिखाते हुए विद्यार्थियों से बार-बार बुलवाएँ।
- इसी तरह **औरत, पौधा, बाण, धागा** के चित्र दिखाएँ। वर्णों की अलग-अलग पहचान करवाते हुए बार-बार बुलवाएँ।

2. पहचानो और बोलो

ष	धा	ण	और	भी
औरत	धागा	बाण	पौधा	धनुष

3. सुनो और बोलो

धन	और	कारण	औजार	रामायण	धान
कौन	भाषण	औरत	रामबाण	धीरे	पौधा
भूषण	कौरव	आभूषण	धुआँ	चौकी	रावण
गौरव	विभीषण	धूप	मौसी	गणना	गौरैया
वेशभूषा	आधा	फौज	गणित	तौलिया	मणिपुर

4. बार-बार बोलो

दान-धान	ओर-और	साड़ी-सीढ़ी	सड़क-डमरू	जड़-डर
आशा-भाषा	कण-गण	जरा-ज़रा	धनुष-षट्कोण	पोषण-पोखर

5. नीचे दिए गए वर्ण/मात्रा को लिखने का अभ्यास करो

औ औ

ण ण

ध ध

ष ष

© NCERT not to be republished

योग्यता विस्तार

- शिक्षण बिंदु में दिए गए सभी वर्णों और मात्राओं को श्यामपट पर लिखेंगे और विद्यार्थियों से बारी–बारी उनकी पहचान करवाएँगे।
- नीचे दिए गए चित्रों को देखकर विद्यार्थी खाली स्थान को भरेंगे।

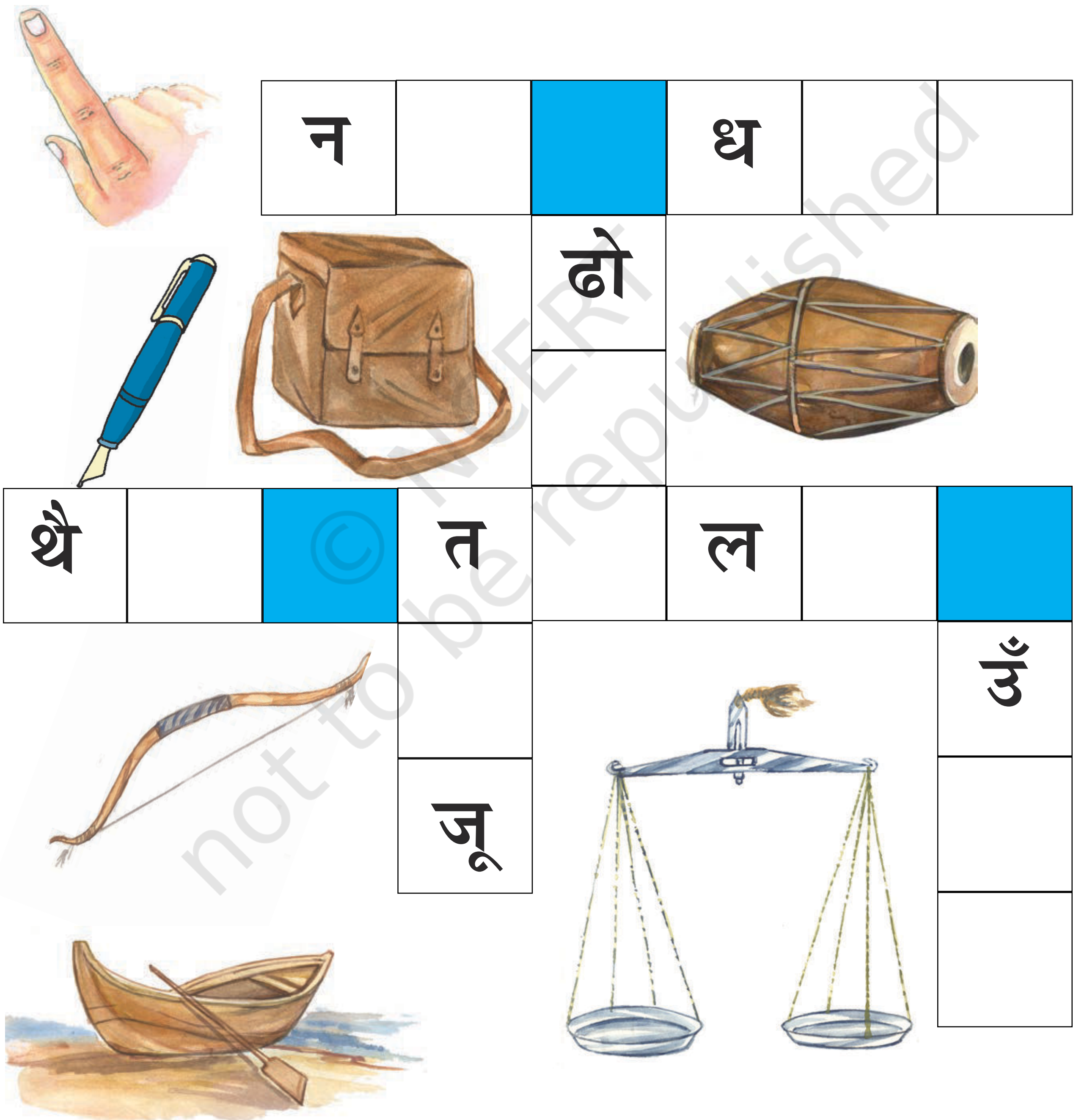

© NCERT not to be republished

मौखिक पाठ

शिक्षण बिंदु

तुम आओ	आप आइए
दो / लो	दीजिए / लीजिए
मत लाओ	न लाइए

1. अध्यापक वाक्य बोलेंगे और विद्यार्थी सुनेंगे

1. शाहिद, तुम यहाँ आओ।
2. आप अंदर आइए।
3. जोसफ़, अपनी कॉपी लाओ, किताब मत लाओ।
4. ईशान, पैसा दो और किताब लो।
5. आप गाड़ी अंदर न लाइए।

2. अध्यापक वाक्य बोलेंगे और विद्यार्थी एक साथ वाक्य दोहराएँगे

1. रामन, तुम यहाँ आओ।
2. सलमा, तुम भी आओ।
3. सरोज, एक कहानी सुनाओ।
4. महेश जी, आप यहाँ बैठिए।
5. आप हमें गणित बताइए।
6. तुम लोग शोर मत करो।
7. आप संगीत सुनिए।
8. ठंडा दूध न पीजिए।
9. तुम यह चाय मत पिओ।
10. आप थोड़ी देर आराम कीजिए।

© NCERT not to be republished

3. नमूने के अनुसार वाक्य बदलो

(क) नमूनाः

तुम अपना पाठ पढ़ो।

आप अपना पाठ पढ़िए।

तुम अपने घर जाओ। ....

आप अपने घर जाइए। ....

तुम जलेबी खाओ। ....

(ख) नमूनाः

तुम यह किताब मत लो।

आप यह किताब न लीजिए।

तुम कॉफी मत पिओ । ....

कक्षा में शोर मत करो। ....

तुम पैसे मत दो। ....

योग्यता विस्तार

- कक्षा की वस्तुओं को दिखाते हुए विद्यार्थी आपस में बातचीत करें, जैसे–

  तुम यहाँ आओ। **आप यहाँ आइए।**

  वहाँ से किताब लाओ। **बेंच पर बैठिए।**

- अध्यापक विद्यार्थियों से कक्षा से बाहर की परिस्थितियों में वार्तालाप कराएँ, जिसमें पिछले अभ्यास के बातचीत में हुई कमियों की ओर भी विद्यार्थियों का ध्यान दिलाएँ जैसे– करो/कीजिए, पिओ/पीजिए जैसी क्रियाओं का प्रयोग हो।

© NCERT not to be republished

आठवाँ पाठ

रूमाल

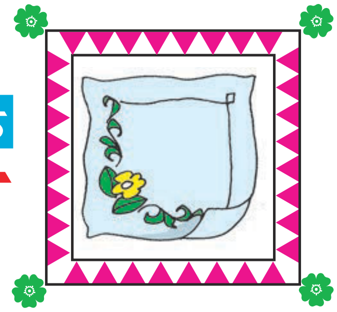

शिक्षण बिंदु

ऋ ृ रु रू

ऋतु | ऋ तु

मृग | मृ ग

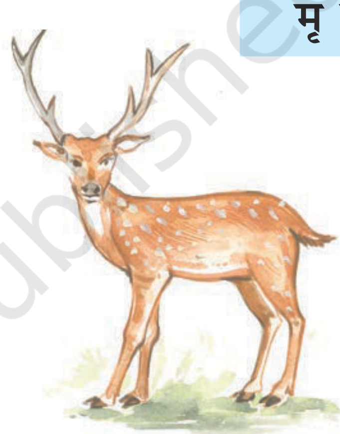

रुपया | रु प या

रूमाल | रू मा ल

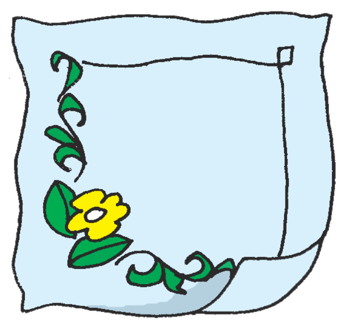

© NCERT not to be republished

शिक्षण संकेत

- श्यामपट पर **रूमाल** लिखें और उसका चित्र दिखाते हुए विद्यार्थियों से बार-बार बुलवाएँ।
- इसी तरह **ऋतु मृग रुपया** के चित्र दिखाएँ। वर्णों की अलग-अलग पहचान करवाते हुए बार-बार बुलवाएँ

2. पहचानो और बोलो

रु	रू	ऋ	ष	भ
मृग	रूमाल	ऋतु	रुपया	

3. सुनो और बोलो

ऋण	तृण	रूई	गरुड़	रुपया	गुरुनाथ
ऋतु	मृग	रूप	पुरुष	करुणा	पुरुराज
ऋषि	गुरु	शुरू	तरुण	डमरू	मरुभूमि
कृषि	कृपा	ज़रूर	वरुण	कंगारू	ज़रूरत

4. बार-बार बोलो

रुपया-रूप	पतला-बदला	कली-गली
ताप-दाब	टीला-ढीला	बाग-भाग

5. नीचे दिए गए वर्णों को लिखने का अभ्यास करो

ऋ ऋ

रु रु

रू रू

© NCERT not to be republished

6. चित्रों के नाम लिखो

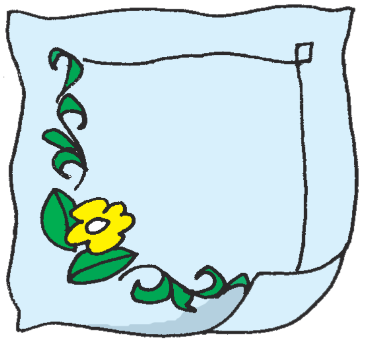

____________ ____________ ____________

7. प्रश्नोत्तर अभ्यास

अध्यापक प्रश्न पूछेंगे और विद्यार्थी उत्तर देंगे, जैसे –

अध्यापक	विद्यार्थी
तुम सुबह कितने बजे उठते हो?	मैं सुबह छह बजे उठता हूँ।
क्या तुम सुबह पढ़ते हो?	जी हाँ, मैं प्रतिदिन सुबह पढ़ता हूँ।
तुम्हारी बहन किस कक्षा में पढ़ती है?	मेरी बहन कक्षा छह में पढ़ती है।
तुम बाज़ार किसलिए जाते हो?	मैं बाज़ार कलम खरीदने के लिए जाता हूँ।
राहुल क्यों खुश है?	राहुल मित्रों से मिलकर खुश है।
रंजना घर कब आती है?	रंजना स्कूल की छुट्टी के बाद घर आती है।
रमण कहाँ जाता है?	रमण खेल के मैदान में जाता है।

योग्यता विस्तार

- अध्यापक विद्यार्थियों से उनकी दिनचर्या के बारे में कुछ वाक्य बोलने की प्रेरणा दें, जैसे–
  मैं सुबह छः बजे उठती हूँ। फिर हाथ-मुँह धोती हूँ... आदि।

© NCERT not to be republished

मौखिक पाठ

शिक्षण बिंदु

**मैं हिंदी पढ़ता हूँ। टोनी फुटबाल खेलता है।
माँ गणित पढ़ाती हैं।**

1. अध्यापक वाक्य बोलेंगे और विद्यार्थी सुनेंगे

तुम कौन-सी कक्षा में पढ़ती हो?

मैं छठी कक्षा में पढ़ती हूँ।

पिता जी बैंक में काम करते हैं।

मेरी बहन नौ बजे पाठशाला जाती है।

आप कौन-सा अखबार पढ़ते हैं?

2. अध्यापक वाक्य बोलेंगे और विद्यार्थी दोहराएँगे

अध्यापक

आप कहाँ रहते हैं?

मैं गाँधी नगर में रहता हूँ।

यह अखबार नागपुर से निकलता है।

तुम्हारी माँ क्या करती हैं?

वे गणित पढ़ाती हैं।

पिता जी रात को कॉफी नहीं पीते।

वे एक गिलास दूध पीते हैं।

हम लोग सुबह बाग में टहलते हैं।

© NCERT not to be republished

शिक्षण संकेत

- इस पाठ में दिए गए वाक्यों से स्पष्ट होगा कि हिंदी में **क्रिया+ता/ती/ते** जैसे– रह+ता, रहता आदि संरचना नित्यतासूचक अर्थ में प्रयुक्त होती है, अर्थात् जब कोई काम नियमित रूप से हो रहा हो। विद्यार्थियों का ध्यान इस संरचना की ओर दिलाएँ।

3. प्रश्नोत्तर अभ्यास

अध्यापक प्रश्न पूछेंगे और विद्यार्थी उत्तर देंगे। जैसे

अध्यापक	विद्यार्थी
तुम कैसे पाठशाला आते हो?	मैं साइकिल से आता हूँ।
पिता जी कितने बजे उठते हैं?	वे सुबह पाँच बजे उठते हैं।
क्या तुम सुबह कसरत करते हो?	जी हाँ, मैं रोज़ सुबह कसरत करता हूँ।
रूपा कहाँ रहती है?	रूपा मैसूर में रहती है।
आप शाम को क्या करते हैं?	हम शाम को मैदान में फुटबाल खेलते हैं।
रोली, तुम सुबह क्या करती हो?	मैं सुबह थोड़ी देर गीत गाती हूँ और वीणा बजाती हूँ।

योग्यता विस्तार

- अध्यापक विद्यार्थियों से उनकी दिनचर्या के बारे में कुछ वाक्य बोलने का सुझाव दें, जैसे–
  मैं सुबह छः बजे उठती हूँ। फिर हाथ-मुँह धोती हूँ... आदि।

© NCERT not to be republished

नवाँ पाठ

कक्षा

शिक्षण बिंदु

क्ष त्र ज्ञ श्र

कक्षा

क क्ष ा

छात्र

छ ा त्र

विज्ञान

वि ज्ञ ा न

श्रमिक

श्र ि म क

शिक्षण संकेत

- श्यामपट पर **कक्षा** लिखें और उसका चित्र दिखाते हुए विद्यार्थियों से बार-बार बुलवाएँ।
- इसी तरह **छात्र, विज्ञान और श्रमिक** के चित्र दिखाएँ। वर्णों की अलग-अलग पहचान करवाते हुए बार-बार बुलवाएँ।

© NCERT not to be republished

2. पहचानो और बोलो

श्र	क्ष	ज्ञ	त्र	स	छ
छात्र	आश्रम	यज्ञ	कक्षा		

3. सुनो और बोलो

कक्षा	पत्र	क्षत्रिय	श्रीमती	चित्र
शिक्षा	मित्र	श्रमिक	श्रीमान	श्रावण
आज्ञा	छात्र	नक्षत्र	विश्राम	क्षण / क्षमा
ज्ञान	पात्र	त्रिकोण	विज्ञान	विज्ञापन

4. नीचे दिए गए वर्णों को लिखने का अभ्यास करो

क्ष क्ष

त्र त्र

ज्ञ ज्ञ

श्र श्र

योग्यता विस्तार

- शिक्षण बिंदु में दिए सभी वर्णों को श्यामपट पर लिखें और विद्यार्थियों से बारी-बारी उनकी पहचान करवाएँ।
- ऐसा फ्लैश कार्ड बनाएँ जिस पर शब्द के शुरू, मध्य और अंत के वर्ण लिखे हों अथवा बोर्ड पर इस प्रकार लिखें–

  ज्ञा...... , ...क्ष...... , ...त्र जैसे शब्द विद्यार्थियों से बनवाएँ, उनसे बुलवाएँ और लिखने के लिए कहें।

© NCERT not to be republished

मौखिक पाठ

शिक्षण बिंदु

सूरज पूरब में निकल रहा है। मैं पत्र लिख रहा हूँ।
तुम क्या कर रहे हो? पिता जी टहल रहे हैं

1. अध्यापक वाक्य बोलेंगे और विद्यार्थी सुनेंगे

सुबह के छह बजे हैं।

सूरज पूरब में निकल रहा है।

मेधा पुस्तक पढ़ रही है।

उसकी छोटी बहन सितार बजा रही है।

पिता जी बाग में टहल रहे हैं।

चाचा जी फूलों को पानी दे रहे हैं।

इस समय तुम क्या कर रहे हो?

मैं इस समय पत्र लिख रहा हूँ।

2. अध्यापक वाक्य बोलेंगे और विद्यार्थी दोहराएँगे

लड़के मैदान में कबड्डी खेल रहे हैं।

छोटी बच्ची सो रही है।

पिता जी नहा रहे हैं।

शैली, तुम क्या कर रही हो?

मैं कहानी पढ़ रही हूँ।

लड़के संगीत सीख रहे हैं।

अभिषेक ढोलक बजा रहा है।

माँ अखबार पढ़ रही हैं।

© NCERT not to be republished

3. अध्यापक पहला वाक्य बोलेंगे और विद्यार्थी दोहराएँगे। फिर अध्यापक केवल मोटे टाइप वाले शब्दों को बोलेंगे और विद्यार्थी उनकी मदद से वाक्य पूरा करेंगे।

नमूना:

ललित खेल **रहा है**। (लता)

लता खेल **रही है**।

1. सतीश किताब पढ़ रहा है।
2. .... (शीला)
3. .... (हम)
4. .... (लड़के)
5. .... (चाचा जी)
6. .... (तुम)

4. प्रश्नोत्तर अभ्यास

अध्यापक अलग-अलग विद्यार्थियों से प्रश्न पूछें और विद्यार्थी नमूने के अनुसार 'जी हाँ', 'जी नहीं' लगाकर प्रश्नों के उत्तर दें।

नमूना:

अध्यापक : क्या तुम खेल रहे हो?

विद्यार्थी : जी हाँ, मैं खेल रहा हूँ।

: जी नहीं, मैं नहीं खेल रहा हूँ।

1. क्या तुम पत्र लिख रहे हो? (जी हाँ, जी नहीं)
2. क्या पिता जी टहल रहे हैं? (जी हाँ, जी नहीं)
3. क्या रमेश फुटबाल खेल रहा है? (जी हाँ, जी नहीं)
4. क्या लड़कियाँ संगीत सीख रही हैं? (जी हाँ, जी नहीं)
5. क्या बच्चा रो रहा है? (जी हाँ, जी नहीं)

© NCERT not to be republished

5. नमूने के अनुसार प्रश्नों के उत्तर दो

नमूनाः

तुम्हारा भाई इस समय **क्या कर रहा** है? (पढ़)

मेरा भाई इस समय **पढ़ रहा** है।

1. तुम क्या कर रहे हो? (चाय पी)
2. आप कहाँ जा रहे हैं? (बाजार)
3. छोटा लड़का क्या कर रहा है? (खेल)
4. तुम क्या पढ़ रही हो? (कहानी)
5. आप क्या लिख रहे हैं? (पत्र)
6. मीना क्या कर रही है? (टाइप)
7. लड़कियाँ क्या कर रही हैं? (गाना)

© NCERT not to be republished

योग्यता विस्तार

- चाचा जी का फोन आया है। उन्हें बताना है कि घर में सब लोग क्या-क्या कर रहे हैं। अध्यापक इस स्थिति पर विद्यार्थियों से कुछ वाक्य बनवाएँ।

दसवाँ पाठ

गुब्बारा

शिक्षण बिंदु

क्‌ स्‌ ्‌ क्या है, सस्ता, लड्डू

क्यारी	क्या री	लड्डू	लड्डू	पत्ता	प त्ता

पुस्तक	पु स्त क	गुब्बारा	गु ब्बा रा	बिल्ली	बि ल्ली

© NCERT not to be republished

शिक्षण संकेत

- श्यामपट पर गुब्बारा लिखें और उसका चित्र दिखाते हुए विद्यार्थियों से बार-बार बुलवाएँ।
- इसी तरह पुस्तक, क्यारी, लड्डू और बिल्ली के चित्र दिखाएँ। वर्णों की अलग-अलग पहचान करवाते हुए बार-बार बुलवाएँ।

2. पहचानो और बोलो

लड्डू	क्यारी	पुस्तक	बिल्ली	गुब्बारा
ड्डी	क्या	स्त	ल्ल	ब्ब

3. सुनो और बोलो

बिल्ली	लट्टू	त्याग	खद्दर	अच्छा	कबड्डी
उल्लू	लड्डू	न्याय	चद्दर	मच्छर	गुब्बारा
गत्ता	मिट्टी	वस्तु	पत्थर	बच्चा	चम्मच
बत्ती	छुट्टी	सस्ता	सप्ताह	सच्चा	हिम्मत
ढक्कन	मुट्ठी	व्यास	रक्त	लज्जा	अनन्नास
चिट्ठी	न्यास	प्यास	मुफ्त	सज्जा	मक्खन

4. बार-बार बोलो

सच्चा–अच्छा	लट्टू–लड्डू	अक्षर–मच्छर
गत्ता–गद्दा	छुट्टी–चिट्ठी	मिट्टी–मुट्ठी

5. लिखो

फ्त	ध्य	ल्ल	क्त	च्छ
वाक्य	खद्दर	अध्यापक	पत्ता	वक्त
दक्षिण	उत्तर	स्कूल	चम्मच	छुट्टी
बिल्ली	लट्टू	त्याग	अच्छा	कबड्डी
उल्लू	लड्डू	याय	गुच्छा	मच्छर
गुब्बारा	गत्ता	मिट्टी	सस्ता	पत्थर
बच्चा	चम्मच	पत्ता	हिम्मत	ढक्कन
सस्ता	सच्चा	मुट्ठी	खच्चर	कच्चा

© NCERT not to be republished

6. शब्द और चित्र का मिलान करो

लट्टू

चम्मच

उल्लू

थैला

अनन्नास

© NCERT not to be republished

7. नीचे दिए गए चित्रों को देखकर खाली जगह भरो

त्रि								
				पु				
ण								
			डॉ					
च		ढ	क					
			ट					
					गु		बा	
च								

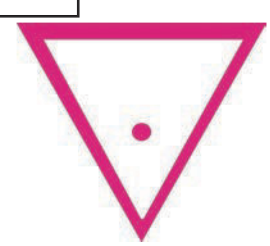

मौखिक पाठ

शिक्षण बिंदु

कल रविवार था।
तुम कहाँ थे?
मैं सूरजकुंड मेले में था।

1. अध्यापक वाक्य बोलेंगे और विद्यार्थी सुनेंगे

आज सोमवार है।
कल रविवार था।
कल स्कूल की छुट्टी थी।
स्कूल के बच्चे मैदान में थे।
हमारे साथ कक्षा के अध्यापक थे।
मैं सूरजकुंड के मेले में था।
नवंबर का दिनांक दो है।
कल पहली तारीख थी।
मेला बहुत बढ़िया था।

2. अध्यापक बोलेंगे और विद्यार्थी दोहराएँगे

कल शाम को कंचनलाल घर पर नहीं था।
घर का दरवाजा बंद था।
खिड़की भी बंद थी।
क्या कल दफ़्तर की छुट्टी थी?
अलमारी में कुल दस कपड़े थे।
मेरी चिट्ठी वहाँ नहीं थी।
टोकरी में कितने आम थे?
बाज़ार में केले कुछ सस्ते थे।
लेकिन आम बहुत महंगे थे।
कल रविवार था, परसों शनिवार था।

© NCERT not to be republished

3. प्रश्नोत्तर अभ्यास

अध्यापक प्रश्न पूछेंगे और विद्यार्थी उत्तर देंगे, जैसे–

अध्यापक	विद्यार्थी
कल शाम को तुम कहाँ थे?	कल मैं भुवनेश्वर था।
परसों कौन-सा दिन था?	परसों शनिवार था।
क्या परसों स्कूल की छुट्टी थी?	जी हाँ, परसों भी छुट्टी थी।
टोकरी में कितने आम थे?	टोकरी में दस आम थे।
मेला कैसा था?	मेला बहुत बढ़िया था।
कल कौन-सी तारीख थी?	कल पहली तारीख थी।

योग्यता विस्तार

- शिक्षण बिंदु वाले सभी वर्णों को श्यामपट पर लिखें और विद्यार्थियों से बारी-बारी इनकी पहचान करवाएँ।
- एक स्थान पर संयुक्ताक्षर से बने शब्दों के चित्र होंगे और दूसरे स्थान पर वर्णों के कार्ड। कोई विद्यार्थी चित्र निकालेगा और दूसरे विद्यार्थी वर्णों को मिलाकर उसके अनुसार शब्द बनाएँगे।
- अध्यापक ऐसा फ़्लैशकार्ड बनाएँ जिस पर शब्द के शुरू, मध्य या अंत के वर्ण लिखे होंअथवा श्यामपट पर इस प्रकार के कुछ शब्द लिखें, जैसे–**क्या........, ...ब्बा......, ...स्त........, ...त्ता, गुब्बारा, लड्डू** आदि शब्द विद्यार्थियों से बनवाएँ, उनसे बुलवाएँ और लिखवाएँ।

© NCERT not to be republished

ग्यारहवाँ पाठ

पर्वत

शिक्षण बिंदु

ट्राम क्रिकेट पार्क

चक्र — च क्र

समुद्र — स मु द्र

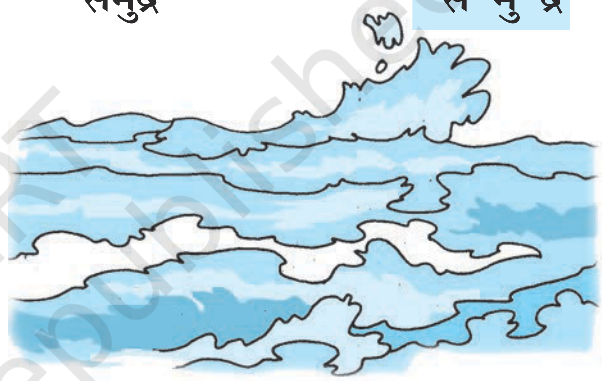

ट्रक — ट् र क

पर्वत — प र्व त

शिक्षण संकेत

- श्यामपट पर पर्वत लिखें और उसका चित्र दिखाते हुए विद्यार्थियों से बार-बार बुलवाएँ।
- इसी तरह चक्र, समुद्र, ट्रक के चित्र दिखाएँ। वर्णों की अलग-अलग पहचान करवाते हुए बार-बार बुलवाएँ।

© NCERT not to be republished

2. पहचानो और बोलो

क्र	ट्र	र्व	द्र	क्रि	र्क
चक्र	ट्रक	पर्वत	समुद्र	क्रिया	अर्क

3. सुनो और बोलो

चक्र	खर्च	ग्राम	मिस्त्री	अर्चना	अष्टपदी
भ्रमण	तर्क	ड्राम	शास्त्री	प्रार्थना	राष्ट्रपति
क्रेन	ग्रह	मिर्च	स्कूल	डॉक्टर	कष्ट
ट्रेन	चर्चा	गृह	क्रिकेट	ट्रैक्टर	प्रमाण–पत्र

4. लिखो

ड्र	ट्र	प्र	र्म	ष्ट	ष्ट्र	स्त
स्त्र	अष्टमी	राष्ट्रभाषा	शास्त्र	क्रेन	ट्रेन	
पार्थ	पृथ्वी	आशीर्वाद				

5. सुनो और बार-बार बोलो

क्रिया–कृ पा	पितृ–त्रिवेणी	ग्रह–गृह	प्रयाग–पृथ्वी
मिट्टी–चिट्ठी	कर्म–क्रम	सहस्र–अस्त्र	शर्त–शत्रु

6. चित्रों से शब्दों का मिलान करो

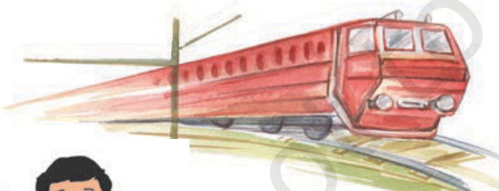

चक्र

मृग

ट्रेन

बच्चा

ट्रक

© NCERT not to be republished

7. नीचे दिए गए चित्रों को देखकर खाली स्थान को भरें–

	न				प		त
			क				
			ट				
	क	स	र		च		
		मु					

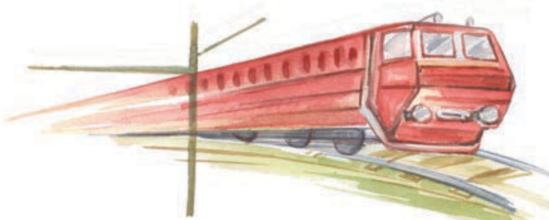

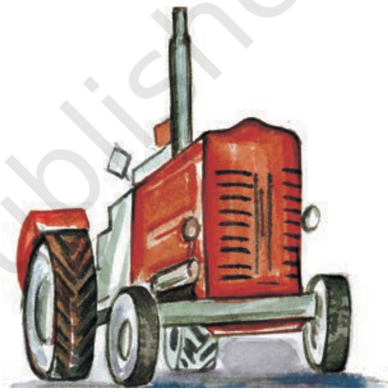

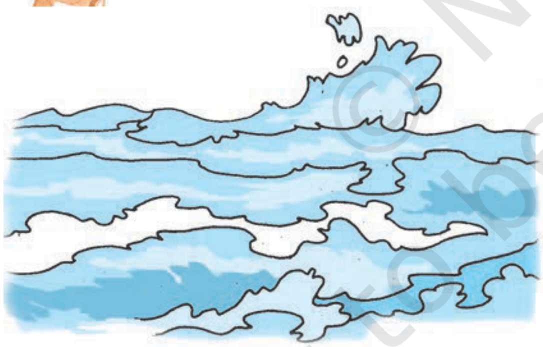

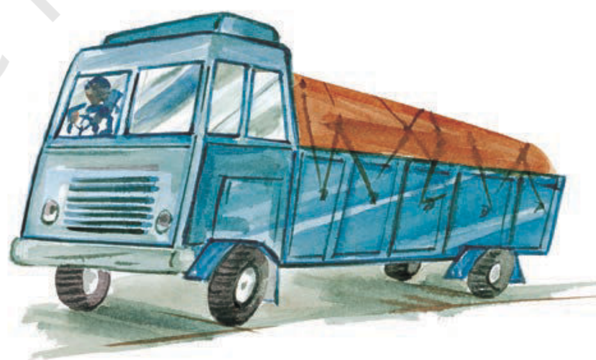

© NCERT not to be republished

योग्यता विस्तार

- अध्यापक शिक्षण बिंदुवाले सभी वर्णों को श्यामपट पर लिखें और विद्यार्थियों से इनकी पहचान करवाएँ।
- विद्यार्थियों से **ट्र, प्र, र्म** आदि संयुक्त वर्णों से युक्त अन्य शब्द बनवाकर बुलवाएँ। कुछ विद्यार्थियों से उन शब्दों को श्यामपट पर भी लिखवाएँ।

मौखिक पाठ

शिक्षण बिंदु

मोहन को (सेब) चाहिए।
माधवी को (दूध) पसंद है।
मैं+को–मुझे हम+को–हमें तुम+को–तुम्हें

1. अध्यापक वाक्य बोलेंगे और विद्यार्थी सुनेंगे

कोशल को कॉपी चाहिए।
शीला को पेंसिल चाहिए।
तुम्हें क्या चाहिए?
मुझे कुछ नहीं चाहिए।

रमेश को आम पसंद है।
मुझे पीली कमीज़ पसंद है।
आपको क्या पसंद है?
मुझे कॉफी पसंद नहीं है।

2. अध्यापक वाक्य बोलेंगे और विद्यार्थी दोहराएँगे

मोहन को भूगोल की किताब चाहिए।
मुझे आज का अखबार चाहिए।
क्या आपको भी पेंसिल चाहिए?
हमें कुछ नहीं चाहिए।
कुमुद को सेब चाहिए।

क्या तुम्हें आम पसंद है?
लीला को पीला रंग पसंद है।
हमें यह गाड़ी पसंद है।
तुम्हें कैसा खाना पसंद है?
पिता जी को मीठा दूध पसंद नहीं है।

3. अध्यापक वाक्य बोलेंगे और विद्यार्थी दोहराएँगे। फिर अध्यापक केवल मोटे टाइप वाले शब्द बोलेंगे तथा विद्यार्थी उनकी मदद से वाक्य पूरा करेंगे।

नमूना:

मुझे सफेद कपड़े पसंद हैं। (आपका मकान)
मुझे आपका मकान पसंद है।

© NCERT not to be republished

1. हमें हिंदी फिल्म पसंद है।
2. ______________________ (यह किताब)
3. ______________________ (पीली साड़ी)
4. ______________________ (रसगुल्ला)
5. ______________________ (क्रिकेट का खेल)

4. प्रश्नोत्तर अभ्यास

(क)

क्या आपको अंगूर चाहिए? (जी हाँ / जी नहीं)

क्या तुम्हें फूल चाहिए? (जी हाँ / जी नहीं)

क्या आपको आज का अखबार चाहिए? (जी हाँ / जी नहीं)

क्या लीला को यह रंग पसंद है? (जी हाँ / जी नहीं)

क्या चाचा जी को हिंदी फिल्म पसंद है? (जी हाँ / जी नहीं)

(ख)

आपको कितने फूल चाहिए? (चार)

आपको कैसी किताब चाहिए? (चित्रों वाली)

आपको और क्या चाहिए? (कुछ नहीं)

भावना को कौन-सा रंग पसंद है? (नीला)

आपको कौन-सा पेन पसंद है? (बॉलपेन)

© NCERT not to be republished

मानक हिंदी वर्णमाला

स्वर

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ
ऋ	ए	ऐ	ओ	औ	अं
अः					

मात्राएँ

ा	ि	ी	ु	ू	ृ
े	ै	ो	ौ	ं	ः

व्यंजन

क	ख	ग	घ	ङ		
च	छ	ज	झ	ञ		
ट	ठ	ड	ढ	ण	ड़	ढ़
त	थ	द	ध	न		
प	फ	ब	भ	म		
य	र	ल	व	श		
ष	स	ह				

मिश्रित व्यंजन

क्ष	त्र	ज्ञ	श्र

© NCERT not to be republished

बारहखड़ी

क	का	कि	की	कु	कू	के	कै	को	कौ	कं	कः
ग	गा	गि	गी	गु	गू	गे	गै	गो	गौ	गं	गः
च	चा	चि	ची	चु	चू	चे	चै	चो	चौ	चं	चः
ज	जा	जि	जी	जु	जू	जे	जै	जो	जौ	जं	जः
ट	टा	टि	टी	टु	टू	टे	टै	टो	टौ	टं	टः
ड	डा	डि	डी	डु	डू	डे	डै	डो	डौ	डं	डः
त	ता	ति	ती	तु	तू	ते	तै	तो	तौ	तं	तः
द	दा	दि	दी	दु	दू	दे	दै	दो	दौ	दं	दः
न	ना	नि	नी	नु	नू	ने	नै	नो	नौ	नं	नः
प	पा	पि	पी	पु	पू	पे	पै	पो	पौ	पं	पः
ब	बा	बि	बी	बु	बू	बे	बै	बो	बौ	बं	बः
म	मा	मि	मी	मु	मू	मे	मै	मो	मौ	मं	मः
य	या	यि	यी	यु	यू	ये	यै	यो	यौ	यं	यः
ल	ला	लि	ली	लु	लू	ले	लै	लो	लौ	लं	लः
व	वा	वि	वी	वु	वू	वे	वै	वो	वौ	वं	वः
श	शा	शि	शी	शु	शू	शे	शै	शो	शौ	शं	शः
स	सा	सि	सी	सु	सू	से	सै	सो	सौ	सं	सः
ह	हा	हि	ही	हु	हू	हे	है	हो	हौ	हं	हः

© NCERT not to be republished

संयुक्ताक्षर

क्+क – मक्का

च्+च – बच्चा

प्+प – प्प – छप्पर

म्+म – म्म – चम्मच

न्+न–न्न – गन्ना

त्+त–त्त – पत्ता

स्+स–स्स– रस्सी

क्+य – क्य–क्या

क्+त – क्त–भक्त

फ्+त – फ्त–दफ्तर

स्+त–स्त– पुस्तक

ज्+य–ज्य–राज्य

ध्+य–ध्य–अध्यापक

न्+म–न्म–जन्म

प्+य–प्य–प्यास

व्+य–व्य–व्याकरण

ख्+य–ख्य–मुख्य

प्+र–प्र – प्राण

क्+र – क्र – क्रम

ग्+र–ग्र – ग्राम

ज्+र – ज्र – वज्र

भ्+र – भ्र – भ्रमर

ट्+ट–ट्ट – मिट्टी

ट्+ठ–ट्ठ – चिट्ठी

द्+य–द्य – विद्या

ड्+ड–ड्ड – अड्डा

ड्+ढ–ड्ढ – गड्ढा

ठ्+य–ठ्य – पाठ्य

क्ष्+म – क्ष्म–लक्ष्मी

क्ष्+य – क्ष्य–लक्ष्य

ट्+र – ट्र–ट्रक

ड्+र – ड्र–ड्रामा

र्+म=र्म–धर्म

र्+थ=र्थ–अर्थ

र्+च=र्च–चर्च

र्+ज=र्ज–अर्जुन

र्+य=र्य–आर्य

© NCERT not to be republished

संयुक्त वर्णों के रूप

क्क = क्क	च्च = च्च	ह्म = ह्म	ट्ट = ट्ट	द्म = द्म	द्ध = द्ध	क्त = क्त
द्य = द्य	ड्ड = ड्ड	द्व = द्व	ल्ल = ल्ल	ड्ढ = ड्ढ	ह्ल = ह्ल	द्भ = द्भ
						ह्र = ह्र

बारहवाँ पाठ

हमारा घर

शिक्षण बिंदु

यह वह	सर्वनाम/पूरक+संज्ञा—हमारा+घर संज्ञा+सर्वनाम/पूरक—घर+हमारा विशेषण+संज्ञा—छोटा+कमरा संज्ञा+विशेषण—कमरा+छोटा लिंग और वचन की अन्विति	है।

© NCERT not to be republished

राजीव : जोसफ़! नमस्ते!

जोसफ़ : नमस्ते! तुम यहाँ? क्या यही तुम्हारा घर है? बहुत दिनों बाद मिले हो। बैठक में बैठकर कुछ देर बात करें।

राजीव : हाँ, यह हमारा नया घर है।

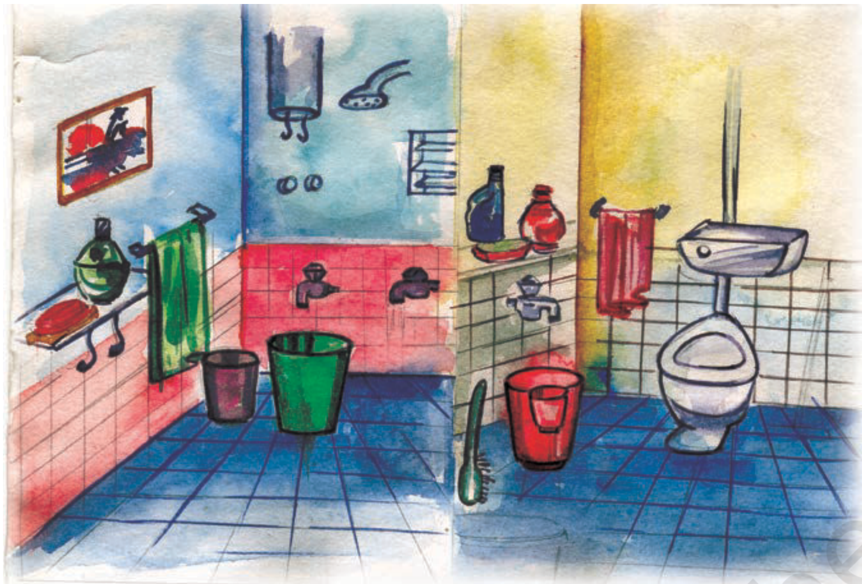

जोसफ़ : घर में कौन-कौन हैं?

राजीव : घर में मेरे पिता जी, माँ और बड़े भैया हैं। अंदर आओ, इधर बैठो सोफ़े पर।

जोसफ़ : यह कमरा बहुत सुंदर है। घर में कितने कमरे हैं?

राजीव : घर में पाँच कमरे हैं। तीन कमरे नीचे हैं, दो कमरे ऊपर। नीचे वाले कमरे बड़े हैं, ऊपर के कमरे छोटे हैं। दाहिनी ओर पिता जी का कमरा है।

जोसफ़ : यह कमरा किसका है?

राजीव : यह बड़े भैया का कमरा है। उसके पास स्नान घर है।

जोसफ़ : वह किसका मकान है?

राजीव : वह मुन्ना शाहिद का मकान है। वह मेरा दोस्त है।

जोसफ़ : और वह बगीचा किसका है?

राजीव : मेरा बगीचा है। चलो आओ, हम बगीचा देखें। क्यारी में कई पौधे हैं। क्यारियों में रंग-बिरंगे फूल लगे हैं। ये गुलाब के फूल हैं और वे गेंदे के। दीवार के पास कई पेड़ हैं। कुछ पेड़ लंबे हैं और कुछ पेड़ छोटे। यह आम का पेड़ है और वह नीम का। वह अमरूद का पेड़ है, यह नारियल का । अमरूद का पेड़ छोटा होता है और नारियल का पेड़ लंबा।

जोसफ़ : यह बगीचा बहुत अच्छा है।

अभ्यास

© NCERT not to be republished

1. पढ़ो और बोलो

घर	फूल	पिता जी	छोटा	इधर
कमरा	पौधा	बड़े भैया	बड़ा	नीचे
बैठक	पेड़	दोस्त	लंबा	के सामने
स्नान	बगीचा	रंग-बिरंगा	दाहिनी ओर	बहुत दिनों बाद

2. पढ़ो और समझो

(क)

एकवचन (पुल्लिंग)	बहुवचन (पुल्लिंग)	एकवचन (स्त्रीलिंग)	बहुवचन (स्त्रीलिंग)
कमरा	कमरे	अलमारी	अलमारियाँ
बगीचा	बगीचे	साड़ी	साड़ियाँ
पौधा	पौधे	कुरसी	कुरसियाँ
लड़का	लड़के	लड़की	लड़कियाँ

(ख)	नमस्ते–प्रणाम	साफ़–गंदा
	दोस्त–मित्र	मोटा –पतला
	बगीचा–बाग	नया–पुराना
	सुंदर–खूबसूरत	गरम–ठंडा

3. तालिका में से शब्द लेकर वाक्य बनाओ

यह	बड़ा/पुराना/नया	मकान	है।
यह	मकान	मेरा/उसका/तुम्हारा	है।

4. नमूने के अनुसार वाक्य बदलो

नमूना:

यह पेड़ लंबा है

ये पेड़ लंबे हैं।

1. यह लड़का मोटा है। ....
2. यह किताब मेरी है। ....
3. यह कमरा छोटा है। ....
4. यह केला हरा है। ....
5. यह फूल लाल है। ....

5. समान अर्थ वाले शब्दों को रेखा खींचकर मिलाओ

नमस्कार	वृक्ष
सुंदर	बाग
फूल	प्रणाम
पेड़	खूबसूरत
बगीचा	पुष्प

© NCERT not to be republished

6. सही शब्द चुनकर नमूने के अनुसार वाक्य बदलो

नमूनाः

यह बगीचा बड़ा है
वह बगीचा छोटा है।

ठंडा, पुराना, पतला, गंदा

1. यह मकान नया है। .... 3. यह दूध गरम है। ....

2. यह कमरा साफ़ है। .... 4. यह कागज़ मोटा है। ....

7. वर्ग में दिए गए वर्णों से शब्द बनाओ और अपनी नोटबुक में लिखो–

पौधे मकान बहन गुलाब नारियल अमरूद नीम फूल कमरा
दीवार रसोईघर पिता जी दोस्त माँ हमारा नया पाँच बैठक
इधर दाहिनी ऊपर नीचे बगीचा लंबा आम पेड़ छोटा
कई अंदर

क	पौ	रा	नी	म	म	का	न	र
पौ	ब	ह	न	अ	म	रू	द	सो
धे	गु	ला	ब	न	या	ह	दो	ई
दी	फू	बै	ठ	क	पाँ	मा	स्त	घ
वा	ल	इ	ध	र	च	रा	दा	र
र	ना	ऊ	प	र	लं	बा	हि	आ
पि	रि	नी	ब	गी	चा	म	नी	म
ता	य	चे	अं	द	र	ई	पे	ड़
जी	ल	सुं	द	र	पा	स	छो	टा

© NCERT not to be republished

तेरहवाँ पाठ

कपड़े की दुकान

शिक्षण बिंदु

आओ / आइए / आना।
मुझे (कपड़ा) चाहिए।

अमर : माँ, दीवाली के अवसर पर मेरे लिए कौन-सा कपड़ा खरीदोगी।

माँ : तुम्हें क्या चाहिए, मुझे बताना बेटे। आज शाम को हम लोग बाज़ार चलेंगे।

अमर : मैं भी बाज़ार चलूँगा माँ। मैं अपनी पसंद के कपड़े लूँगा।

अनीता : मैं भी चलूँगी।

पिता : हाँ बेटे, तुम दोनों तैयार हो जाना।

(चारों बाज़ार जाते हैं। कपड़े की दुकान पर पहुँचते हैं।)

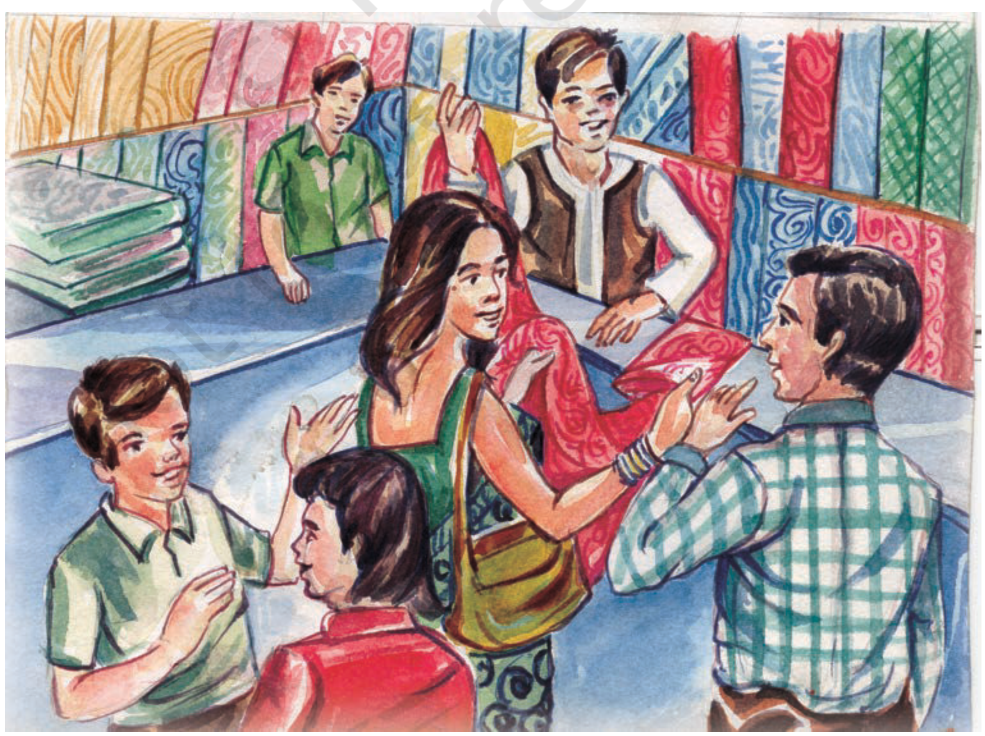

© NCERT not to be republished

दुकानदार : आइए विनोद भाई, नमस्कार।

पिता : नमस्ते-नमस्ते! कैसे हैं आप?

दुकानदार : आप सभी की शुभकामना से ठीक हूँ। आइए बैठिए।

माँ : बच्चों के लिए कपड़े चाहिए।

दुकानदार : अभी दिखाता हूँ बहन जी! वीरू, साहब के लिए चाय-पानी ले आओ।

माँ : नहीं-नहीं चाय नहीं, सिर्फ़ पानी लाना।

पिता : बेटी के लिए सूट का कपड़ा दिखाइए और पैंट-शर्ट के कपड़े भी! अमर बेटे तू अपनी पसंद के कपड़े देखना।

दुकानदार : नए पैंट-पीस भी आए हैं। वीरू अच्छे कपड़े निकाल लाओ।

अमर : अनीता, तुम अपने लिए कपड़ा पसंद कर लो।

दुकानदार : बेटे, यह पैंट का कपड़ा देखो। यह बहुत अच्छा है।

अमर : नहीं, यह मुझे पसंद नहीं है। दूसरा कपड़ा दिखाइए।

अनीता : माँ, यह सूट बहुत अच्छा है।

माँ : हाँ, यह रंग अच्छा है, लेकिन कपड़ा अच्छा नहीं है।

दुकानदार : यह लीजिए, बढ़िया कपड़े में, बिलकुल नया-नया आया है।

माँ : इसका कपड़ा ठीक है। अमर तुम्हें यह कपड़ा कपड़ा पसंद है?

अमर : हाँ, अच्छा है माँ!

माँ : तेरी पसंद अच्छी होती है, बेटे।

अनीता : और मेरी पसंद माँ?

माँ : तेरी पसंद भी।

पिता : दोनों कपड़े पैक कर दीजिए।

दुकानदार : वीरू, ये कपड़े पैक कर दो। यह लीजिए आपका बिल ।

पिता : धन्यवाद!

© NCERT not to be republished

अभ्यास

1. पढ़ो और बोलो

बाज़ार	अच्छा	चाहिए	सिर्फ़	लाना	पसंद है
दुकान	अपना	नमस्ते	जल्दी	रहना	सूट का कपड़ा
कपड़ा	दूसरा	धन्यवाद	ठीक	खरीदना	पैंट-शर्ट के कपड़े

2. पढ़ो और समझो

(क) *(तुम /आप के प्रयोग)*

तुम	आओ।	आप	आइए।
तुम्हें	क्या चाहिए?	आपको	क्या चाहिए?
तुम्हारा	नाम क्या है?	आपका	नाम क्या है?

(ख)

तू	आप	आप
आ	आओ	आइए
बैठ	बैठो	बैठिए
देख	देखो	देखिए
पढ़	पढ़ो	पढ़िए
दे	दो	दीजिए
पी	पिओ	पीजिए
कर	करो	कीजिए
ले	लो	लीजिए

(ग)

चिंता-फ़िक्र	नया-पुराना
जल्दी-शीघ्र	जल्दी-धीरे
धन्यवाद-शुक्रिया	अच्छा-बुरा
सिर्फ़-केवल	खरीदना-बेचना

© NCERT not to be republished

3. नमूने के अनुसार लिखो

नमूना:

झूठ मत बोलो।
आप झूठ मत बोलिए।

1. कच्चे आम मत खाओ। ....
2. तुम अंदर मत आओ। ....
3. तुम यहाँ मत बैठो। ....
4. कक्षा में शोर मत करो। ....
5. कूड़ा इधर-उधर मत फेंको। ....

4. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे करो

धन्यवाद, सिर्फ़, नमस्ते, परसों, चिंता

1. रसूल ने कहा, ... विनोद भाई, आइए।
2. दीपावली का त्योहार कल नहीं .... है।
3. मोहन .... न करो, हम तुम्हारे जन्मदिन पर ज़रूर आएँगे।
4. कोई तुम्हारी मदद करे, तो कहना चाहिए ....
5. मुझे शरबत नहीं, ... ठंडा पानी दीजिए।

5. नमूने के अनुसार वाक्य बदलो

नमूना:

यह पत्र अभी भेजो।
वह पत्र कल भेजना।

1. यह काम अभी करो ....
2. ये फल अभी खाओ ....
3. यह पाठ अभी पढ़ो ....
4. वे चीज़ें अभी लाओ ....

© NCERT not to be republished

6. नमूने के अनुसार वाक्य बदलो

(क) नमूनाः

सलमा के पास किताब नहीं है।

सलमा को किताब चाहिए।

1. अमर के पास पेंट नहीं है। ....
2. शोभा के पास घड़ी नहीं है। ....
3. गोपालन के पास कैमरा नहीं है। ....
4. आशा के पास कलम नहीं है। ....

(ख) नमूनाः

पिता जी को गरम चाय चाहिए।

पिता जी को गरम चाय दीजिए।

1. सुधा को किताब चाहिए। ....
2. लड़कों को फुटबाल चाहिए। ....
3. मुझे ताज़े फल चाहिए। ....

7. प्रश्नों के उत्तर दो

1. कपड़े खरीदने कौन-कौन गए?
2. दुकानदार ने कैसे कपड़े दिखाए?
3. माँ को सूट का कपड़ा क्यों पसंद नहीं आया?
4. दीवाली पर अमर को क्या चाहिए?

© NCERT not to be republished

योग्यता विस्तार

- निम्नलिखित वाक्य संरचनाओं का प्रयोग करते हुए चीज़ें खरीदने के लिए बातचीत का आयोजन करें। पहले अध्यापक–छात्र संवाद करें, फिर छात्र आपस में, जैसे–

मुझे यह कपड़ा चाहिए/ नहीं चाहिए, वह दिखाइए/दीजिए।
तुम्हें/आपको क्या चाहिए/नहीं चाहिए।
मुझे एक किलो आलू/एक पैकेट चाय चाहिए/दीजिए।

© NCERT not to be republished

चौदहवाँ पाठ

फूल

छोटी-सी बगिया में देखो,
कितने रंग जमाते फूल ।
सबके मन को मोहक लगते हैं।
हँसते और मुस्काते फूल।।

जो भी बगिया में आता है
सबको खूब रिझाते फूल।
इधर भटकते, उधर मटकते
तनिक नहीं शरमाते फूल।।

तितली आती भँवरे आते
सबको पास बुलाते फूल।
ताथई-ताथई नाच-नाचकर
मीठे गीत सुनाते फूल ।।

सर्दी गर्मी और वर्षा में
कभी नहीं घबराते फूल।
झूम-झूम कर मौज मनाते
सबका मन बहलाते फूल।।

रंग-बिंरगे प्यारे प्यारे
बगिया को महकाते फूल।
छोटे-छोटे बच्चों जैसे,
सबके मन को भाते फूल।

दिनेश कुमार

अभ्यास

शब्दार्थ

बगिया	–	छोटा बगीचा
रंग ज़माना	–	प्रभावित करना
रिझाना	–	प्रसन्न करना
मटकना	–	नृत्य की मुद्रा में सिर हिलाना
भाना	–	अच्छा लगना

भावार्थ

इस कविता में फूल की सुंदरता का वर्णन किया गया है। फूलों के कारण बगिया बहुत सुंदर दिखाई देती है। जो भी व्यक्ति बगिया में आता है, सुंदर –सुंदर फूलों को देखकर प्रसन्न हो उठता है। हवा के कारण इधर–उधर झूमते फूल ऐसे लगते हैं मानो वे सबका स्वागत करने के लिए सिर हिला रहे हों। फूल प्रत्येक ऋतु में प्रसन्न रहते हैं। वे हमें भी यही संदेश देते हैं।

रंग–बिरंगे प्यारे–प्यारे फूल बगिया में छोटे–छोटे बच्चों की तरह सब को अच्छे लगते हैं।

1. समान अर्थवाले शब्दों को रेखा खींचकर मिलाओ

रिझाना	लजाना
शरमाना	अच्छा लगना
मौज मनाना	सुगंधित होना
महकना	खुशी मनाना
भाना	आकर्षित करना

© NCERT not to be republished

2. कविता की पंक्तियाँ पूरी करो

1. छोटी–सी बगिया में देखो ....
2. इधर मटकते उधर मटकते ....
3. झूम–झूम कर मौज मनाते ....

3. कविता के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो

1. फूल सबका मन किस तरह मोह लेते हैं?
2. फूल किसे अपने पास बुलाते हैं?
3. फूल सबका मन कैसे बहलाते हैं?
4. फूल सबके मन को क्यों भाते हैं?

© NCERT not to be republished

पंद्रहवाँ पाठ

बातचीत

शिक्षण बिंदु

मैं पढ़ता/ती हूँ। तुम पढ़ते/ ती हो।
हम पढ़ते/ तीं हैं। आप पढ़ते/ ती हैं।

तरुण : नमस्ते शोभा। हम बहुत समय बाद मिले।

शोभा : तरुण, नमस्ते।

तरुण : शोभा तुम आजकल किस कक्षा में पढ़ती हो?

शोभा : मैं कक्षा छह में पढ़ती हूँ।

तरुण : तुम्हारा विद्यालय कहाँ है?

शोभा : प्रधान डाकघर के पास है। और, तुम कहाँ पढ़ते हो?

तरुण : मैं आजकल चेन्नै में पढ़ता हूँ। वहाँ मेरे मामा जी रहते हैं। अच्छा शोभा, तुम्हारे विद्यालय में हिंदी कौन पढ़ाता है?

© NCERT not to be republished

शोभा : वरदा जी। वे बहुत अच्छा पढ़ाती हैं, हमें रोचक कहानियाँ सुनाती हैं, हिंदी के गीत भी सिखाती हैं।

तरुण : अरे, वे तो मेरी मौसी की सहेली हैं। मैं मौसी के साथ कभी-कभी उनके घर जाता हूँ। वे बहुत अच्छी-अच्छी बातें करतीं हैं।

शोभा : तुम ठीक कहते हो। अच्छा तरुण! आजकल शाम को तुम क्या करते हो?

तरुण : शाम को मैं एक घंटे खेलता हूँ। मेरे घर के पास एक अच्छा मैदान है। हम लोग फुटबाल खेलते हैं। कभी-कभी क्रिकेट भी खेलते हैं। शोभा, तुम कौन-सा खेल खेलती हो?

शोभा : मैं खो-खो खेलती हूँ। मैं कभी-कभी भाई बहनों के साथ अंत्याक्षरी भी खेलती हूँ।

तरुण : अंत्याक्षरी बुद्धि का खेल है।

शोभा : हाँ, तरुण इससे याद करने की क्षमता बढ़ती है। मस्तिष्क का व्यायाम भी आवश्यक हैं।

तरुण : मैं यह मानता हूँ, अब मैं खेल के साथ-साथ अंत्याक्षरी भी खेलूँगा।

© NCERT not to be republished

अभ्यास

1. पढ़ो और बोलो

सहेली	विद्यालय	बुद्धि का खेल	कभी-कभी	सीखना	व्यायाम
सुबह	भागना	चाचा जी	अंत्याक्षरी	दिन में	याद करना
मामा जी	चेन्नै	शाम को दौड़ना	अध्यापिका	प्रधान डाकघर	

2. पढ़ो और समझो

(क)

	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
मैं	पढ़ता हूँ।	पढ़ती हूँ।
	गाता हूँ।	गाती हूँ।
तुम	खेलते हो।	खेलती हो।
	खाते हो।	खाती हो।
हम	सीखते हैं।	सीखती हो।
आप	सुनते हैं।	सुनती हो।

(ख)

सिखाना	– पढ़ाना	ठीक	– गलत
सहेली	– सखी	कल	– आज
व्यायाम	– कसरत	सुबह	– शाम को
मस्तिष्क	– दिमाग	जाना	– आना

3. कोष्ठक में दी हुई क्रियाओं की सहायता से रिक्त स्थानों की पूर्ति करो

पुल्लिंग

1. मैं दूध .... (पी)
2. तुम केला .... (खा)
3. हम विद्यालय .... (जाना)

स्त्रीलिंग

1. मैं गाना .... (सीख)
2. तुम कबड्डी .... (खेल)
3. हम हिंदी .... (पढ़)

© NCERT not to be republished

3. नमूने के अनुसार वाक्य बदलो

नमूनाः

मैं शरबत पीता हूँ।

मैं चाय नहीं पीता।

1. मोहन क्रिकेट खेलता है। (फुटबाल) ....
2. शीला गाना गाती है। (नाचना) ....
3. पिता जी सवेरे टहलते हैं। (तैरते) ....
4. माता जी रोज़ दूध पीती हैं। (चाय) ....
5. वे बच्चे शाम को खेलते हैं (पढ़ना) ....

4. अपनी दिनचर्या के अनुसार वाक्य पूरे करो

1. मैं सुबह .... उठता हूँ।
2. हम सुबह .... स्नान करते हैं।
3. मैं सुबह .... स्कूल जाता हूँ।
4. हम दिन में .... खाते हैं।
5. मैं शाम को .... क्रिकेट खेलता हूँ।
6. हम रात में .... सोते हैं।

5. प्रश्नों के उत्तर दो

1. तुम्हारा विद्यालय कहाँ है?
2. अध्यापिका हिंदी कैसे पढ़ाती हैं?
3. शोभा कौन-से खेल खेलती है?
4. अंत्याक्षरी खेलना क्यों चाहता है?

योग्यता विस्तार

- छात्र आपस में एक दूसरे की रुचियों के बारे में बातचीत करें (**जैसे– चित्र बनाना, कहानी पढ़ना, घूमना-फिरना, संगीत/नृत्य सीखना आदि**)।

© NCERT not to be republished

सोलहवाँ पाठ

शिलांग से फ़ोन

(फ़ोन की घंटी बजती है।)

ननकू : (फ़ोन उठाकर) हैलो! आप कौन साहब बोल रहे हैं?

अमरनाथ : मैं अमरनाथ बोल रहा हूँ, शिलांग से।

ननकू : हाँ बाबू जी नमस्ते! मैं ननकू बोल रहा हूँ। आप लोग कैसे हैं?

अमरनाथ : हम सब ठीक-ठाक है। अच्छा रमा को बुलाओ।

ननकू : बहन जी, आपके भाई साहब का फ़ोन है।

रमा : अभी आ रही हूँ। (आकर फ़ोन उठाती हैं।) हैलो भैया, नमस्ते। क्या हाल-चाल है?

अमरनाथ : सब मज़े में हैं। तुम लोग क्या कर रहे हो?

रमा : आज छुट्टी का दिन है। सब लोग घर पर ही हैं। टिंकू टी. वी. पर कार्टून देख रहा है।

अमरनाथ : और बिटिया श्यामला क्या कर रही है?

© NCERT not to be republished

रमा : वह संगीत का अभ्यास कर रही है। बड़ा बेटा राजेश टेबुल-टेनिस खेल रहा है, जीजा जी को बुलाऊँ।

अमरनाथ : ज़रूर! मैं सुरेश बाबू से बात करना चाहता हूँ।

रमा : जी, सुनिए! शिलांग से भैया का फ़ोन है। आपको याद कर रहे हैं।

सुरेश : नमस्कार भैया! क्या हाल-चाल है! भाभी जी ठीक हैं?

अमरनाथ : मज़े में हैं। इस समय तो वे बगीचे में हैं। पौधों को पानी दे रही हैं।

श्यामला : (आकर) पापा जी किसका फ़ोन है?

सुरेश : तुम्हारे मामा जी बोल रहे हैं। लो, उनसे बात करो।

श्यामला : मामा जी, प्रणाम।

अमरनाथ : जीती रहो बेटी। आजकल संगीत सीख रही हो? कब से?

श्यामला : तीन चार महीने से सीख रही हूँ। हमारे घर के पास गंधर्व कला विद्यालय है न, वहीं से सीख रही हूँ।

अमरनाथ : क्या वहाँ रवींद्र संगीत भी सिखाते हैं?

श्यामला : हाँ मामा जी, वहाँ रवींद्र संगीत सिखाते हैं? मेरी भी इच्छा है। मैं ज़रूर सीखूँगी।

अमरनाथ : तुम्हें मेरी शुभकामनाएँ। अपने पापा को मेरा नमस्ते कहना।

अभ्यास

1. पढ़ो और सुनो

संगीत	भैया	हाल-चाल	याद करना	शुभकामनाएँ
इच्छा	भाभी	ठीक-ठाक	बात करना	जीते रहो
बगीचा	जीजा	प्रणाम	अभ्यास करना	मज़े में हैं

2. पढ़ो और समझो

(क) पुल्लिंग

मैं	किताब	खेल	रहा हूँ
तुम	काम	कर	रहे हो
वह	फुटबाल	पढ़	रहा है
श्याम			रहे हैं
हम			
आप			
वे			
पिता जी			

© NCERT not to be republished

स्त्रीलिंग

मैं	किताब	खेल	रही हूँ
तुम	काम	कर	रहे हो
वह	खो-खो	पढ़	रही है
गीता			रही हैं
हम			
आप			
वे			
माता जी			

(ख)

छुट्टी-अवकाश	मज़ा-उमंग	प्रणाम-नमस्कार
इच्छा-चाह	ज़रूर-अवश्य	

3. कोष्ठक में दी गई क्रियाओं से वाक्य पूरे करो

रहा हूँ, रहा है, रही है, रहे हैं, रही हैं

1. मैं स्कूल जा ....
2. पिता जी बगीचे में टहल ....
3. शीला बाज़ार से आ ....
4. लड़कियाँ कमरे में पढ़ ....
5. लड़के मैदान में क्रिकेट खेल ....

4. कोष्ठक में दिए गए शब्दों की सहायता से नमूने के अनुसार वाक्य बदलो

(क) नमूना:

राजन रोज स्कूल जाता है। (अभी)

राजन अभी स्कूल नहीं जा रहा है।

© NCERT not to be republished

1. वे रोज़ बाज़ार जाते हैं। (आज) ....

2. मेरा भाई रोज़ यहाँ आता है। (इस समय) ....

3. गीता प्रतिदिन गाना गाती है। (इस समय) ....

(ख) नमूनाः

मोहन प्रतिदिन दूध पीता है। (चाय)

मोहन इस समय चाय पी रहा है।

1. हम प्रतिदिन कसरत करते हैं। (व्यायाम) ....

2. रीता रोज़ रोटी खाती है। (फल) ....

3. बाबू जी हमेशा कलम से लिखते हैं। (पेंसिल) ....

4. रमेश रोज़ सुबह पार्क में जाता है। (स्कूल) ....

5. अरविंद रोज़ शाम को पढ़ाई करता है। (सुबह) ....

5. निम्नलिखित शब्दों की सहायता से वाक्य बनाओ

ठीक-ठाक .... अभ्यास करना ....

मज़े में .... पानी देना ....

बात करना ....

6. प्रश्नों के उत्तर दो

1. अमरनाथ कौन हैं?

2. श्यामला क्या कर रही है?

3. राजेश क्या कर रहा है?

4. श्यामला इन दिनों क्या सीख रही है?

5. भाभी जी क्या कर रही हैं?

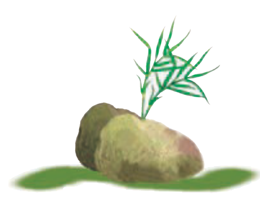

© NCERT not to be republished

सत्रहवाँ पाठ

तितली

रंग–बिंरगे पंख तुम्हारे, सबके मन को भाते हैं।
कलियाँ देख तुम्हें खुश होतीं फूल देख मुस्काते हैं।।

रंग–बिंरगे पंख तुम्हारे, सबका मन ललचाते हैं।
तितली रानी, तितली रानी, यह कह सभी बुलाते हैं।।

पास नहीं क्यों आती तितली, दूर–दूर क्यों रहती हो?
फूल–फूल के कानों में जा धीरे–से क्या कहती हो?

© NCERT not to be republished

सुंदर-सुंदर प्यारी तितली, आँखों को तुम भाती हो।
इतनी बात बता दो हमको हाथ नहीं क्यों आती हो?

इस डाली से उस डाली पर उड़-उड़कर क्यों जाती हो?
फूल-फूल का रस लेती हो, हमसे क्यों शरमाती हो?

नर्मदाप्रसाद खरे

© NCERT not to be republished

अभ्यास

शब्दार्थ

भाना	– अच्छा लगना	**हाथ न आना**	– पकड़ में न आना
कानों में कहना	– धीरे से कहना	**ललचाना**	– लुभाना

भावार्थ

इस कविता में तितली से बात की गई है और उसके लुभावने रूप का चित्र खींचा गया है।

1. कविता की पंक्तियाँ पूरी करो

1. रंग-बिरंगे पंख तुम्हारे, सबके मन को भाते हैं। ....
2. पास नहीं क्यों आती तितली ....
3. फूल-फूल के कानों में जा ....
4. इस डाली से उस डाली पर ....
5. हमसे क्यों शरमाती हो? ....

2. समान अर्थ वाले शब्दों को रेखा खींचकर मिलाओ

भाते हैं	प्रसन्न होना
खुश होना	लुभाना
डाली	लजाना
शरमाना	अच्छे लगते हैं
ललचाना	शाखा

3. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग करो

रंग-बिरंगा .... कानों में कहना ....

हाथ न आना .... शरमाना ....

4. कविता के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो

1. तितली के पंख कैसे होते हैं?
2. कविता में तितली को क्या कहकर बुलाया गया है?
3. कलियाँ और फूल तितली को देखकर क्या करते हैं?
4. तितली उड़-उड़कर कहाँ जाती है?

योग्यता विस्तार

- विद्यार्थी अपनी भाषा में रचित इसी प्रकार की कोई कविता कक्षा में सुनाएँ।

© NCERT not to be republished

अठारहवाँ पाठ

ईश्वरचंद्र विद्यासागर

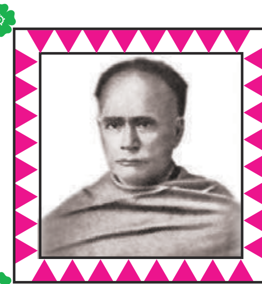

ईश्वरचंद्र विद्यासागर प्रसिद्ध विद्वान् और समाज सुधारक थे। वे बंगाल के निवासी थे। बंगाल में उनका बहुत सम्मान था। वे सादा जीवन उच्च विचार वाले महापुरुष थे।

एक दिन एक युवक उनसे मिलने उनके गाँव मिदनापुर आया। वह रेलगाड़ी से स्टेशन पर उतरा। उसके पास एक सूटकेस था। स्टेशन पर कुली नहीं था। उस युवक को बहुत गुस्सा

आया। वह बोला, 'यह अजीब स्टेशन है। यहाँ एक भी कुली नहीं है।'

उसी गाड़ी से एक और आदमी उतरा। वह बहुत सादी पोशाक में था। वह आधी बाँह का कुर्ता, धोती और चप्पल पहने था। वह आदमी उस युवक के पास आया और बोला, 'क्या बात है भाई?' युवक बहुत गुस्से में था। वह बोला, 'यह कैसा स्टेशन है? यहाँ एक भी कुली नहीं

not to be republished

है। मेरे पास सामान है।' तब वह आदमी बोला, 'लाइए मैं आपका सामान उठा लूँ।' वह आदमी युवक का सूटकेस उठाकर स्टेशन से बाहर आया। जब उस युवक ने मजदूरी के पैसे देने चाहे तो वह व्यक्ति बोला, 'मुझे पैसे नहीं चाहिए।' वहाँ कुछ बैलगाड़ियाँ खड़ी थीं। युवक एक बैलगाड़ी में बैठ गया।

दूसरे दिन सवेरे वह युवक ईश्वरचंद्र के घर आया। घर के बाहर एक आदमी खड़ा था। यह वही आदमी था जिसने कल रात उसका सामान उठाया था। युवक बोला, 'क्या विद्यासागर जी यहीं रहते हैं।'

उस आदमी ने कहा, 'जी हाँ, आइए अंदर बैठिए।'

युवक ने पूछा, 'विद्यासागर जी कहाँ हैं?'

उस आदमी ने कहा, 'मैं ही विद्यासागर हूँ।'

युवक को बहुत शर्म आई और उसने विद्यासागर जी से माफी माँगी। फिर बोला, 'कल मुझसे भूल हुई। अब मैं समझ गया कि कोई काम बड़ा या छोटा नहीं होता। अपना काम स्वयं करना चाहिए।'

अभ्यास

1. पढ़ो और बोलो

(क)

ईश्वरचंद्र	विद्यासागर	मिदनापुर	युवक	सूटकेस
स्टेशन	पोशाक	कुर्ता	धोती	धन्यवाद
शर्म	भूल	चप्पल	जवाब	माफ़ी
सामान	विद्वान्	समाज	सुधारक	सादा
मौजूद	बैलगाड़ी	इज़्ज़त	समझ	स्वयं

(ख)

प्रसिद्ध–मशहूर	माफ़ी–क्षमा	पाठ–पाठक
सम्मान–आदर	खुद–स्वयं	विचार–विचारक
गुस्सा–क्रोध	अजीब–विचित्र	सुधार–सुधारक

© NCERT not to be republished

2. तालिका में से शब्द चुनकर वाक्य बनाओ

(क)

मैं	आज	बाज़ार	गया।
	कल	स्कूल	
	परसों	अस्पताल	
		चिड़ियाघर	
मैं	आज	बाज़ार	गई।
	कल	स्कूल	
	परसों	अस्पताल	
		चिड़ियाघर	

(ख)

मैं	आज	बाज़ार	गया था
हम	कल	स्कूल	
तुम	परसों	अस्पताल	
आप		चिड़ियाघर	गए थे

© NCERT not to be republished

3. नमूने के अनुसार शब्द बनाओ

नमूनाः

सुधार–सुधारक

1. प्रचार – ....
2. विचार – ....
3. उद्धार – ....

4. नमूने के अनुसार वाक्य बदलो

नमूनाः

मेरा नाम विद्यासागर है।
मैं ही विद्यासागर हूँ।

1. मेरा नाम मोहन है। ....
2. मेरा नाम शीला है। ....
3. मेरा नाम राघवन है। ....
4. मेरा नाम पीटर है। ....
5. मेरा नाम साधना है। ....

5 तालिका के प्रत्येक भाग से एक-एक शब्द चुनकर वाक्य बनाओ

मैं	आज	बाज़ार	गई थी
हम	कल	स्कूल	
तुम	परसों	अस्पताल	गई थीं
आप		मंदिर	

6 नमूने के अनुसार कोष्ठक में से शब्द चुनकर वाक्य पूरे करो

(क)

नमूनाः

राम कुर्सी पर ....है। (बैठा)
राम कुर्सी पर बैठा है।

बैठा, बैठे, खड़े, लेटे, खड़ी

1. श्रीनिवास जी बिस्तर पर .... हैं।
2. माता जी कार के पास .... हैं।

© NCERT not to be republished

3. बंदर छत पर .... हैं।

4. कुछ बच्चे भी वहाँ .... हैं।

5. तुम यहाँ क्यों .... हो?

(ख)

नमूनाः

राघव अभी कमरे में बैठा है।

राघव पहले से कमरे में बैठा था।

1. वूटन इस समय दरवाज़े पर खड़ा है। ....

2. सना अभी कुर्सी पर बैठी है। ....

3. चंचल अभी चारपाई पर लेटा है। ....

4. अक्षय इस समय पेड़ के नीचे बैठा है। ....

5. घना अभी पेड़ के नीचे खड़ी है। ....

(ग) नमूनाः

गाड़ी प्लेटफार्म पर खड़ी होती है।

गाड़ी प्लेटफार्म पर खड़ी हुई है।

1. फूलवाली वहाँ खड़ी होती है। ....

2. सब्ज़ीवाला गली में खड़ा होता है। ....

3. दूधवाला दरवाज़े पर खड़ा होता है। ....

4. बस गली में खड़ी होती है। ....

5. रूपा लाइन में खड़ी होती है। ....

© NCERT not to be republished

6. कैलेंडर देखकर नमूने के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति करो

नमूना:

पंद्रह तारीख को ...... है।

पंद्रह तारीख को रविवार है।

1 बीस तारीख को ....है।

2 ....को एक तारीख है।

3 पच्चीस तारीख को ....है।

4 .... को तीस तारीख है।

5 दूसरा शनिवार .... तारीख को है।

रविवार	1	8	15	22	29
सोमवार	2	9	16	23	30
मंगलवार	3	10	17	24	31
बुधवार	4	11	18	25	
बृहस्पतिवार	5	12	19	26	
शुक्रवार	6	13	20	27	
शनिवार	7	14	21	28	

7. प्रश्नों के उत्तर दो

1. ईश्वरचंद्र विद्यासागर कौन थे?
2. कुली न देखकर युवक ने क्या कहा?
3. युवक का सामान उठाने वाला कौन था?
4. युवक पैसा देने लगा तो आदमी ने क्या कहा?
5. अंत में युवक को क्या सीख मिली?

योग्यता विस्तार

- छात्र अपने प्रदेश के किसी महापुरुष के जीवन की घटना चार-पाँच वाक्यों में सुनाएँ।

© NCERT not to be republished

उन्नीसवाँ पाठ

प्रदर्शनी

सलमा : सुजाता! कल शाम को मैं तुम्हारे घर गई थी। लेकिन, तुम नहीं मिली।

सुजाता : हाँ सलमा! मुंबई से मेरी चचेरी बहन रंजना आई है न, मैं उसको लेकर प्रगति मैदान चली गई थी। वहाँ हस्तशिल्प की प्रदर्शनी लगी हुई है। हम दोनों को यह प्रदर्शनी बहुत अच्छी लगी। तुम साथ होती तो और मज़ा आता।

सलमा : प्रदर्शनी में तुमने क्या-क्या देखा?

सुजाता : हम दोनों सभी राज्यों के मंडप देखने गए। सभी मंडप खूब सजाए गए थे। अलग-अलग स्थानों पर कई राज्यों के हस्तशिल्पों की प्रदर्शनियाँ लगी हुई थीं। मिट्टी, लकड़ी और

बेंत के सुंदर-सुंदर सामान तो थे ही, हाथ की कढ़ाई से कपड़े पर मनमोहक चित्र भी बने हुए थे। इस अवसर पर कई कार्यक्रम हो रहे थे। हम दोनों ने कर्नाटक से आए कलाकारों के यक्षगान और तमिलनाडु से आए कलाकारों के भरतनाट्यम् देखा, उड़ीसा के कलाकारों के ओडिसी नृत्य और केरल के कलाकारों के कुचीपुड़ी देखा, बहुत मज़ा आया।

© NCERT not to be republished

सलमा : मुझे भी कत्थक और मणिपुरी नृत्य बहुत अच्छे लगते हैं। प्रदर्शनी से तुम लोगों ने क्या-क्या खरीदा?

सुजाता : हमने असम और नागालैंड के बने दो बैग खरीदे। बेंत से बना हुआ, फूलों वाला गमला और बाँस से बना टेबल लैंप रंजना के लिए खरीदे। रंजना ने अपने लिए राजस्थान के कढ़ाईवाले कपड़े और बंगाल के पवेलियन से एक जूट का थैला खरीदा। उसने जम्मू-कश्मीर के मंडप से अपनी माता जी के लिए एक शाल खरीदी।

सलमा : रंजना मुंबई कब लौटेगी?

सुजाता : अगले सप्ताह के बाद।

सलमा : क्या तुम दोनों कल मुझे साथ लेकर प्रगति मैदान चल सकती हो?

सुजाता : कल रविवार है सलमा! छुट्टी के दिन भीड़ बहुत होती है। हम किसी दूसरे दिन चलें तो आराम से प्रदर्शनी देख सकेंगे।

अभ्यास

© NCERT not to be republished

1. पढ़ो और बोलो

(क)

प्रदर्शनी	मंडप	हस्तशिल्प	राज्य	स्थान
मनमोहक	मिट्टी	छुट्टी	भरतनाट्यम्	रहना
ओडिसी-नृत्य	सप्ताह	लौटना	मणिपुरी नृत्य	सजाना

(ख)

हस्तशिल्प–हाथ की कारीगरी	चचेरी बहन– चाचा की बेटी
अवसर–मौका	मनमोहक– मन को मोह लेनेवाला
सुंदर– खूबसूरत	

2. पढ़ो और समझो

मैं	गया/गई हूँ	हम	गए/गई हैं
तुम	गए/गई हो	आप	
वह/यह	गया/गई है	वे/ये	

मैं	गया/गई थी	हम	गए थे/गई थीं
तुम	गए/गई थीं	आप	
वह/यह	गया/गई थी	वे/ये	

3. कोष्ठक में दिए गए शब्दों की सहायता से नमूने के अनुसार वाक्य बदलकर लिखो।

नमूना

राजीव एक बार प्रदर्शनी में गया है। (पहले भी)

राजीव पहले भी प्रदर्शनी में गया है।

(पिछले गुरुवार को, शाम को, आज ही)

1. माधवी अभी-अभी लौटी है। (आज ही) ....
2. हम आज मेले से एक फ्रिज़ लाए हैं। (शाम को) ....
3. चाचा जी कल नागपुर गए हैं। (पिछले गुरुवार को) ....

4. कोष्ठक में दिए गए शब्दों की सहायता से नमूने के अनुसार वाक्य बदलकर लिखो।

नमूना

जैकब कल सिंगापुर गया है। (पिछले साल)

जैकब पिछले साल सिंगापुर गया था।

(दो साल पहले, पहले भी, पिछले साल भी)

1. शीला <u>कल</u> सेलम से लौटी है। (दो साल पहले) ....

© NCERT not to be republished

2. श्रीनिवासन आज जयपुर गया है। (पहले भी) ....

3. सरला आज उपहार लाई है। (पिछले साल भी) ....

5. नीचे दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर वाक्य पूरे करो

(मंडप, हस्तशिल्प, सांस्कृतिक, प्रदर्शनी, छुट्टी)

1. सभी .... खूब सजाए गए थे।
2. इस अवसर पर .... कार्यक्रम भी हो रहे थे।
3. हम दोनों को यह .... बहुत अच्छी लगी।
4. .... के दिन भीड़ बहुत होती है।
5. वहाँ .... की प्रदर्शनी लगी हुई थी।

6. प्रश्नों के उत्तर दो

1. प्रदर्शनी के अवसर पर सुजाता और रंजना ने कौन-कौन से नृत्य देखे?
2. हस्तशिल्प की प्रदर्शनी में हाथ की कढ़ाई से बनी कौन-सी चीज़ सुजाता को मनमोहक लगी?
3. सुजाता ने अपनी चचेरी बहन रंजना के लिए क्या-क्या खरीदा?
4. कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल और उड़ीसा में प्रचलित नृत्यों के नाम लिखों?

योग्यता विस्तार

- कत्थक, यक्षगान, ओडिसी, कुचीपुड़ी, भरतनाट्यम और मणिपुरी नृत्य के विषय में विद्यार्थी सामान्य जानकारी एकत्र करें तथा अपने-अपने क्षेत्र के लोक-नृत्य पर आपस में चर्चा करें।

© NCERT not to be republished

बीसवाँ पाठ

चिट्ठी

चिट्ठी में है मन का प्यार
चिट्ठी है घर का अखबार
इस में सुख-दुख की हैं बातें
प्यार भरी इस में सौगातें
कितने दिन कितनी ही रातें
तय कर आई मीलों पार।

यह आई मम्मी की चिट्ठी
लिखा उन्होंने प्यारी किट्टी
मेहनत से तुम पढ़ना बेटी
पढ़-लिखकर होगी होशियार।
पापा पोस्ट कार्ड लिखते हैं।
घने-घने अक्षर दिखते हैं।

जब आता है बड़ा लिफाफा
समझो चाचा का उपहार।
छोटा-सा कागज़ बिन पैर
करता दुनिया भर की सैर
नए-नए संदेश सुनाकर
जोड़ रहा है दिल के तार।

प्रकाश मनु

© NCERT not to be republished

अभ्यास

शब्दार्थ

चिट्ठी	– पत्र, खत	होशियार	– चतुर,चालाक
सौगात	– उपहार	उपहार	– भेंट
अखबार	– समाचार पत्र	संदेश	– विशेष खबर
लिफाफा	– कागज़ की थैली जिसमें रखकर पत्र भेजा जाता है		

भावार्थ

चिट्ठी में मन का प्यार है। वह घर का अखबार भी है। इसमें सुख–दुख की बातें और प्यार भरी सौगातें होती हैं। चिट्ठी मीलों दूर पहुँच जाती है। मम्मी की चिट्ठी आई है। उन्होंने लिखा है कि प्यारी बिटिया किट्टी तुम मेहनत से पढ़ना–लिखना। पढ़–लिखकर तुम होशियार हो जाओगी। पापा पोस्टकार्ड में घर भर की बातें लिखकर भेजते हैं। जब बड़ा लिफाफा आता है तो समझो चाचा का उपहार आ गया। छोटा–सा कागज़ बिना हाथ पैर के दुनिया की सैर करता है। नए–नए संदेश सुनाकर चिट्ठी दिल के तारों को जोड़ती है।

1. कविता की पंक्तियाँ पूरी करो

1. चिट्ठी में है मन का प्यार ....
2. मेहनत से तुम पढ़ना बेटी ....
3. छोटा–सा कागज़ बिन पैर ....

2. समान अर्थवाले शब्दों को रेखा खींचकर मिलाओ

मेहनत	भ्रमण
सैर	भेंट
होशियार	परिश्रम
सौगात	चतुर
पत्र	चिट्ठी

© NCERT not to be republished

3. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग करो

सैर ....

संदेश ....

उपहार ....

4. कविता के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो

1. चिट्ठी को घर का अखबार क्यों कहा गया है?
2. चिट्ठी बिना पैर, दुनिया की सैर कैसे कर लेती है?
3. मम्मी ने चिट्ठी में क्या लिखा है?

© NCERT not to be republished

इक्कीसवाँ पाठ

अंगुलिमाल

शिक्षण बिंदु

ता था/ ता थी/ ते थे
आ गया/ समझ गया

एक जंगल में अंगुलिमाल नाम का एक डाकू रहता था। वह बहुत निर्दयी था। वह जंगल से आने-जानेवालों को पकड़कर बहुत सताता था। वह उन्हें मार डालता था। वह उनकी अंगुलियों की माला बनाता था। उस माला को गले में पहनता था। इसीलिए लोग उसे अंगुलिमाल कहते थे। सभी लोग उससे बहुत डरते थे और जंगल में नहीं जाते थे।

एक बार महात्मा बुद्ध वहाँ आ गए। सभी लोगों ने उन्हें प्रणाम किया। उन्हें जंगल में जाने से रोका। लोगों ने महात्मा बुद्ध को अंगुलिमाल के बारे में सब कुछ बताया।

महात्मा बुद्ध ने लोगों की बातें बहुत धैर्य से सुनीं। वे बोले, 'डरने की कोई बात नहीं है।'

महात्मा बुद्ध मुसकराते हुए जंगल में चले गए। जब अंगुलिमाल को महात्मा बुद्ध के आने का पता चला तो उसे बहुत गुस्सा आया। वह गुस्से से भरा महात्मा बुद्ध के पास आया। महात्मा बुद्ध ने धैर्यपूर्वक मुसकराकर उसका स्वागत किया। इस प्रकार बिना डरे, मुसकराकर स्वागत करना अंगुलिमाल के लिए नई बात थी। सब लोग तो उससे डरते थे और उससे घृणा करते थे।

महात्मा बुद्ध ने अंगुलिमाल से कहा, 'भाई गुस्सा छोड़ो और सामने वाले पेड़ से चार पत्तियाँ तोड़ लाओ।' अंगुलिमाल पत्ते तोड़ लाया।

बुद्ध मुसकराए और बोले, 'इन पत्तों को जहाँ से तोड़ लाए हो, फिर से वहीं लगा आओ।'

अंगुलिमाल बोला, 'यह कैसे हो सकता है? जो पत्ता एक बार पेड़ से टूट गया वह फिर कैसे जुड़ सकता है?'

बुद्ध ने उसे समझाया, 'तुम यह जानते हो कि जो एक बार टूट गया वह दुबारा जुड़ता नहीं तो तुम तोड़ने का काम क्यों करते हो? जब तुम फिर से जोड़ नहीं सकते। पेड़ हो या अन्य प्राणी– सब में प्राण होते हैं। प्राणियों को तुम क्यों सताते हो? उन्हें मारते क्यों हो?

अंगुलिमाल महात्मा बुद्ध की बात समझ गया। वह उनकी शरण में आ गया और उनका शिष्य बन गया।

© NCERT not to be republished

अभ्यास

1. पढ़ो और बोलो

गुस्सा	शरण	धैर्यपूर्वक	टूट	जाना	एक बार
भगवान	बुद्ध	घृणा	शिष्य	मुसकराकर	जुड़
जाना	दुबारा	सताना	धैर्य	स्वागत	इसलिए
निर्दयी	डाकू	अंगुलियों की माला	बिना डरे	समझ जाना	

2. नमूने के अनुसार वाक्य बदलो

नमूना

पहले मैं गाँव में रहता था।

अब मैं शहर में रहता हूँ।

1. पहले राघवन फुटबाल खेलता था। ....(क्रिकेट)
2. पहले सुषमा गाना सीखती थी। .... (नृत्य)
3. पहले वे चाय पीते थे। .... (दूध)
4. पहले हम गाँव के विद्यालय में पढ़ते थे। ....(जवाहर नवोदय विद्यालय)

3. कोष्ठक में दी गई क्रियाओं से नमूने के अनुसार वाक्य पूरे करो

(हो गया/हो गई, बैठ गया/बैठ गए, रह गया/ रह गए/रह गई)

नमूना

समझना–समझ गया, समझ गई।

मैं आपकी बात समझ गया।

1. मेरा काम पूरा ....
2. तुम देर से आए, चाय खतम ....
3. नौकर रास्ते में ही ....
4. सभी विद्यार्थी अपनी–अपनी सीट पर ....
5. अंजना खुश ....

4. नमूने के अनुसार वाक्य बदलो

(क) नमूना

मैं पुस्तक पढ़ता हूँ।

मैंने पुस्तक पढ़ी।

© NCERT not to be republished

1. रमेश पतंग उड़ाता है।
2. मैं हिंदी सीखता हूँ।
3. हम मिठाई खाते हैं।

(ख) नमूना

मैं दूध पीता हूँ।
मैंने दूध पिया।

1. मैं चित्र बनाता हूँ। ....
2. वह कपड़े धोता है। ....
3. सलमा चित्र बनाती है। ....

(ग) नमूना

ललिता रोज़ नौ बजे सो जाती है।
आज वह आठ बजे सो गई।

1. श्रीनिवासन रोज़ सात बजे स्कूल जाता है। (दस बजे)
2. अखबार रोज़ सुबह ग्यारह बजे आ जाता है। (बारह बजे)
3. सुनीता रोज़ सुबह नहाती है। (शाम को)

5. प्रश्नों के उत्तर दो

1. अंगुलिमाल कौन था?
2. डाकू को अंगुलिमाल क्यों कहते थे?
3. अंगुलिमाल को गुस्सा क्यों आया?
4. भगवान बुद्ध ने अंगुलिमाल का स्वागत कैसे किया?
5. भगवान बुद्ध ने अंगुलिमाल से क्या तोड़ लाने को कहा?

© NCERT not to be republished

योग्यता विस्तार

- विद्यार्थी 1 से 20 तक की हिंदी गिनती (एक, दो, तीन, चार, पाँच, छह, सात, आठ, नौ, दस, ग्यारह, बारह, तेरह, चौदह, पंद्रह, सोलह, सत्रह, अठारह, उन्नीस, बीस) का अभ्यास करें।
- विद्यार्थी सुबह, दिन में, दोपहर में, शाम को– इन शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाएँ।

शिक्षण संकेत

- अध्यापक विद्यार्थियों को समझाएँ कि **जाना** क्रिया का भूतकाल रूप **गया/गए/गई** होता है, अध्यापक **न** संरचना के बारे में विद्यार्थियों को बताएँ कि इस संरचना में क्रिया का **कर्म, लिंग** वचन के अनुसार रूप बदलता है।

© NCERT not to be republished

बाईसवाँ पाठ

यात्रा की तैयारी

शिक्षण बिंदु

जाऊँगा-जाओगे। जाएगा-जाएँगे।

निशा : पिता जी, दशहरे की छुट्टियों में हम मैसूर जाएँगे।

निशांत : नहीं पापा, पिछले साल मैं स्कूल की टीम में मैसूर गया था। इसलिए कहीं और जाएँगे।

निशा : मैं तो मैसूर का दशहरा ही देखना चाहूँगी।

पिता : अब मैसूर के लिए रिज़र्वेशन मिलना कठिन है। अबकी बार हम कन्याकुमारी जाएँगे।

निशा : तब तो बड़ा मज़ा आएगा। कन्याकुमारी में तीन सागरों का संगम होता है। वहाँ हम सूर्योदय भी देखेंगे और सूर्यास्त भी देखेंगे।

पिता : हाँ बेटी, पूर्णिमा के दिन शाम को कन्याकुमारी में चंद्रमा का उदय और सूर्य का अस्त होना एक साथ देख सकते हैं। क्यों मीना तुम भी चलोगी न? छुट्टी मिल जाएगी?

माँ : क्यों नहीं? मेरी तो काफी छुट्टियाँ बाकी हैं। आराम से मिल जाएँगी। हम लोग कन्याकुमारी कैसे जाएँगे?

© NCERT not to be republished

पिता : हम तिरुअनंतपुरम् तक राजधानी एक्सप्रेस से जाएँगे। वहाँ से कन्याकुमारी ज़्यादा दूर नहीं है। रेल या बस से जा सकते हैं।

निशांत : शाम से पहले कन्याकुमारी पहुँचना अच्छा रहेगा। तभी हम सूर्यास्त देख सकते हैं। हम रात को विवेकानंद नगर में ठहरेंगे। सुबह जल्दी उठकर समुद्र के किनारे पहुँचेंगे और सूर्योदय देखेंगे।

पिता : सूर्योदय देखने के बाद हम नाश्ता करेंगे और विवेकानंद स्मारक देखने जाएँगे।

माँ : विवेकानंद स्मारक में क्या है?

पिता : विवेकानंद स्मारक कन्याकुमारी के पास समुद्र के किनारे थोड़ी दूर पर एक बड़ी चट्टान पर बना है। हम लोग मोटर लांच से स्मारक पहुँचेंगे। वहाँ पर विवेकानंद और रामकृष्ण परमहंस की मूर्तियाँ हैं। चट्टान पर खड़े होकर हम समुद्र की लहरों का आनंद लेंगे।

निशा : बहुत अच्छा। वहाँ से सीपियाँ और शंख लाऊँगी।

पिता : निशांत, आज ही जाकर रिज़र्वेशन करा लाओ। हाँ एक बात याद रखना यात्रा में कम सामान रखना चाहिए। कहा भी है कि कम सामान बहुत आराम, अपनी यात्रा सुखद बनाइए।

© NCERT not to be republished

अभ्यास

1. पढ़ो और सुनो

दशहरा	सागर	सूर्योदय	विवेकानंद	कन्याकुमारी
मोटर लांच	पूर्णिमा	संगम	सूर्यास्त	विशाल मूर्ति
चट्टान	लहर	एक साथ	पहुँचना	तिरुअनंतपुरम्
आनंद लेना	रामकृष्ण परमहंस	याद रखना	सीपियाँ और शंख	
राजधानी एक्सप्रेस				

2. पढ़ो और समझो

मुश्किल–कठिन	ज़्यादा–कम	मज़ा–उमंग
पास–दूर	ज़्यादा–अधिक	मुश्किल–आसान
लहर–तरंग	उदय–अस्त	सुखद–सुख देनेवाला, अरामदायक
बैठना–खड़ा होना।		

3. तालिका के प्रत्येक कालम से एक-एक शब्द लेकर वाक्य बनाओ

(क)	मैं	घर	जाऊँगा, करूँगा	जाऊँगा, करूँगा
	तुम	काम	जाओगे, करोगे	जाओगी, करोगी
	वह		जाएगा, करेगा	जाएगी, करेगी
	हम		जाएँगे, करेंगे	जाएँगी, करेंगी
	आप			
	वे			

(ख)	राजेश	जयपुर	जाएगी
	गौरी	बेंगलूर	जाएगा
	पिता जी	जाएँगी	जाएंगे
	माता जी		
	लड़कियाँ		

4. समान अर्थवाले शब्दों को रेखा खींचकर मिलाओ

सागर	शाम
मुश्किल	आरामदायक
संध्या	आनंद
मज़ा	कठिन
सुखद	समुद्र

© NCERT not to be republished

5. कोष्ठक में दिए गए शब्दों की सहायता से वाक्य पूरे करो

काफ़ी, संगम, राजधानी, मोटर लांच

1. कन्याकुमारी में तीन सागरों का .... होता है।
2. हम तिरुअनंतपुरम् तक .... एक्सप्रेस से जाएँगे।
3. मेरी तो .... छुट्टियाँ बाकी हैं।
4. हम लोग .... से स्मारक पहुँचेंगे।

6. नमूने के अनुसार वाक्य बदलो

नमूनाः

तुम्हें यात्रा में सामान कम रखना चाहिए।

देखो, सामान कम रखना।

1. सभी को मिठाई कम खानी चाहिए। ....
2. हमें रात को भोजन कम करना चाहिए। ....
3. सभा में कम बोलना चाहिए। ....

7. नमूने के अनुसार वाक्य बदलकर लिखो

नमूनाः

गोपाल बाज़ार जा रहा है।

वह बाज़ार जाएगा।

1. पिता जी चिट्ठी लिख रहे हैं। ....
2. लता साइकिल चला रही है। ....
3. हम फिल्म देख रहे हैं। ....
4. मैं तेलुगु पढ़ रही हूँ। ....
5. तुम क्या कर रहे हो? ....

© NCERT not to be republished

8. प्रश्नों के उत्तर दो

1. निशा मैसूर क्यों जाना चाहती थी?
2. निशा का परिवार कन्याकुमारी कैसे जाएगा?
3. शाम से पहले कन्याकुमारी पहुँचना क्यों ज़रूरी है?
4. पूर्णिमा की संध्या को कन्याकुमारी में क्या देख सकते हैं?
5. लोग विवेकानंद स्मारक कैसे पहुँचते हैं।?

योग्यता विस्तार

- विद्यार्थी शैक्षिक टूर/पिकनिक पर जाने की योजना पर चर्चा करें और इसके बारे में सभी विद्यार्थियों की राय लें।
- किसी दर्शनीय स्थल या शहर के बारे में वर्णन करें।

© NCERT not to be republished

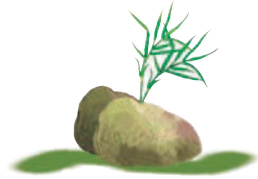

तेईसवाँ पाठ

हाथी

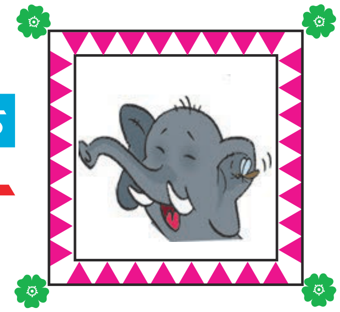

सूंड उठा कर हाथी बैठा
पक्का गाना गाने, मच्छर
इक घुस गया कान में,
लगा कान खुजलाने।

फटफट–फटफट तबले
जैसा हाथी कान बजाता,
बड़े मौज से भीतर
बैठा मच्छर गाना गाता।

पूछ रहा है एक–दूसरे से
जंगल– 'ऐ भैया, हमें बता दो,
इन दोनों में अच्छा कौन गवैया?

सर्वेश्वरदयाल सक्सेना

अभ्यास

शब्दार्थ

पक्का गाना	–	ताल–सुर के साथ गाया जाने वाला गाना
घुसना	–	भीतर जाना, अंदर जाना
मौज	–	उमंग, खुशी, मस्ती
गवैया	–	गायक, गाना गानेवाला

भावार्थ

एक हाथी जंगल में बैठा था। वह सूंड उठाकर गाना गाने लगा। तभी उसके कान के भीतर एक मच्छर चला गया। वह कान खुजलाने लगा। परेशान होकर अपने बड़े–बड़े कान तेजी से हिलाने लगा। फटफट–फटफट की आवाज होने लगी। मानो तबला बज उठा हो। और हाथी मच्छर के गाने के सुर पर ताल दे रहा हो।

इस अनहोनी घटना को जंगल देख रहा था। उसने पूछा– 'ओ भाइयो! मुझे बता सकोगे, मच्छर और हाथी में से अच्छा गायक कौन है?'

कवि ने हँसने–हँसाने के लिए इस घटना की कल्पना की है। इसमें हाथी स्वयं एक खिलौना बन गया है और जंगल के पेड़ हाथी के आसपास खड़े दर्शक स्रोता हो गए हैं।

इस कविता में एक बाल–सुलभ कौतुक है कवि ने जानवर और जंगल से मनुष्य के संसार को जोड़ कर शब्द का सजीव खिलौना बनाया है।

1. कविता की अधूरी पंक्तियाँ पूरी करो

(क) सूंड उठाकर हाथी बैठा ....

(ख) बड़े मौज़ से भीतर बैठा ....

(ग) हमें बता दो इन दोनों में ....

2. कविता के आधार पर बताओ

(क) हाथी सूंड उठाकर किसलिए बैठा?

© NCERT not to be republished

(ख) हाथी के कान क्यों बज उठे?

(ग) मच्छर कहाँ बैठकर गाना गा रहा था?

3. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दो

(क) हाथी गाना गाने के बदले तबला क्यों बजाने लगा?

(ख) वाक्य के खाली स्थान को अपनी कल्पना से भरो–

(1) जंगल के पेड़ों के बीच बैठकर कान हिलाता हाथी .... जैसा दिखता था

(क) कार्टून (ख) खिलौना (ग) मूर्ति

(2) मच्छर जब हाथी के कान के भीतर बैठकर गाना गा रहा था, उसके गाने को .... सुन रहा था

(क) हाथी (ख) जंगल (ग) कोई नहीं

© NCERT not to be republished

चौबीसवाँ पाठ

डॉक्टर

सुशीला : नमस्ते डॉक्टर साहब!

डॉक्टर : आइए मैडम! कहिए, आपको क्या कष्ट है?

सुशीला : मैं ठीक हूँ डॉक्टर साहब! यह मेरा बेटा रमेश है। इसे कल से बुखार है। देखिए परसों से स्कूल में परीक्षा शुरू होगी। इसलिए मुझे बड़ी चिंता है।

डॉक्टर : बेटे मेरे पास आओ। इस स्टूल पर बैठो । बताओ तुम्हें क्या कष्ट है?

रमेश : डॉक्टर साहब, मुझे खाँसी आती है। खाँसी के कारण रात भर नींद नहीं आती।

डॉक्टर : तुम्हें भूख लगती है?

रमेश : डॉक्टर साहब, मुझे बिलकुल भूख नहीं लगती। (डॉक्टर रमेश के छाती और पीठ पर स्टेथीस्कोप लगाकर जाँच करता है।)

डॉक्टर : लंबी साँस लो। और तेज़ साँस लो। अपनी जीभ दिखाओ, बेटे! अच्छा!

सुशीला : डॉक्टर साहब, कोई परेशानी की बात तो नहीं?

डॉक्टर : नहीं रमेश को मामूली बुखार है, सर्दी–जुकाम के कारण। दवाई लिख देता हूँ, दो दिन में ठीक हो जाएगा।

सुशीला : रमेश को खाने में क्या दूँ डॉक्टर साहब?

डॉक्टर : इसे हलका खाना दीजिए। सब्जी का सूप पिलाइए।

रमेश : मुझे संतरा और सेब पसंद हैं। क्या मैं खा सकता हूँ?

डॉक्टर : हाँ बेटे! फल खाओ! बीच बीच में पानी पिओ।

सुशीला : डॉक्टर साहब, इसे दूध दूँ या कॉफ़ी?

डॉक्टर : चाय कॉफ़ी बिलकुल नहीं, सिर्फ दूध दीजिए। दवाएँ लिख रहा हूँ? दिन में तीन बार दीजिए। रात को सोने से पहले यह गोली खिलाइए।

सुशीला : धन्यवाद डॉक्टर साहब, नमस्ते।

डॉक्टर : नमस्ते।

अभ्यास

1. पढ़ो और बोलो

कष्ट	तेज़	पीठ	शाबाश	करना	परीक्षा	जाँच
करना	बुखार	खराब	सीना	खूब	चिंता	साँस
लेना	खाँसी	हलका	छाती	सिर्फ़	नींद	भूख
लगना	परेशानी	मामूली	जीभ	गोली	बिलकुल	प्यास लगना

2. पढ़ो और समझो

1. मुझे बुखार है।
2. हमें खुशी है।
3. तुम्हें क्या कष्ट है?
4. आपको खाँसी भी है?
5. उसे आराम है।
6. उन्हें कोई बीमारी नहीं है।

© NCERT not to be republished

3. पढ़ो और समझो

तकलीफ़ – कष्ट	खाना – खिलाना	चिंता – फ़िक्र
पीना – पिलाना	मामूली – साधारण	सीखना – सिखाना
हलका – भारी	तेज़ – धीमे	खराब – अच्छा
पास – दूर	पसंद – नापसंद	दिन – रात

4. तालिका के प्रत्येक भाग से एक-एक शब्द लेकर वाक्य बनाइए

मुझे	उस बात की	चिंता है	
रमेश को	कल से	कष्ट	लगती है।
पिता जी को	बड़ी	बुखार	लगी है
लीला को		खुशी	है
हमें		भूख	

© NCERT not to be republished

5. कोष्ठक में दिए गए शब्दों की सहायता से वाक्य पूरे करो

समान अर्थवाले शब्दों को रेखा खींचकर मिलाओ।

कष्ट	छाती
मामूली	ज्वर
ठीक	परेशानी
बुखार	साधारण
सीना	सही

6. कोष्ठक में दिए गए शब्दों की सहायता से वाक्य पूरे करो

हलका, नींद, पसंद, कष्ट, गोली

1. खाँसी के कारण रात भर .... नहीं आती।
2. मुझे सेब और संतरा .... है।

3. बताओ तुम्हें क्या .... है?

4. रमेश को .... खाना देना चाहिए।

5. रात को सोने से पहले यह .... खिलाइए।

7. नमूने के अनुसार वाक्य बदलकर लिखो

नमूना:

मैं परेशान हूँ।

मुझे परेशानी है।

1. गीता बहुत खुश है। ....

2. हम बहुत चिंतित हैं। ....

3. रमेश एक महीने से परेशान है। ....

8. प्रश्नों के उत्तर दो

1. रमेश को क्या कष्ट है?

2. सुशीला को किस बात की चिंता है?

3. रमेश ने डॉक्टर से क्या कहा?

4. डॉक्टर ने जाँच करने के बाद सुशीला से क्या कहा?

5. डॉक्टर ने रमेश को क्या खाने की सलाह दी?

योग्यता विस्तार

- विद्यार्थी एक दूसरे का हालचाल पूछते हुए आपस में संवाद कर सकते हैं , जैसे- (**क्या हाल है? ठीक हूँ , तबीयत ठीक नहीं है, दो दिन से बुखार है, बढ़िया है** आदि)

© NCERT not to be republished

पच्चीसवाँ पाठ

जयपुर से पत्र

शिक्षण बिंदु

हम गए हैं / हमने देखा

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड

पता ....

..........................जयपुर

तारीख ....

पूज्य पिता जी,

सादर प्रणाम! परसों रात को हम सकुशल जयपुर पहुँच गए। हमारी यात्रा बहुत अच्छी रही। अध्यापकों ने हमारा बहुत ध्यान रखा। यहाँ मौसम अच्छा है।

कल सुबह जलपान करके हम सब लोग जयपुर की सैर के लिए निकले। सबसे पहले हमने हवामहल देखा। हवामहल के पास ही जंतर-मंतर है। इस वेधशाला का निर्माण राजा जयसिंह ने किया था। हमने घूम-घूमकर जंतर-मंतर देखा। इसके बाद हम रामनिवास बाग गए। यहाँ एक अच्छा कला-संग्रहालय है यह दर्शनीय है। संग्रहालय में जयपुर के राजा महाराजाओं के कपड़े, अस्त्र-शस्त्र और उनके चित्र रखे हुए हैं।

जयपुर से लगभग चौदह किलोमीटर की दूरी पर आमेर का किला है। यह बहुत पुराना और बड़ा किला है। आमेर में शीशमहल देखने योग्य है। शीशमहल के पास ही देवी का मंदिर है। मंदिर में दर्शन करने के बाद हम शहर वापस आए। रात को हमने राजस्थान के लोकनृत्य देखे।

फिर राजस्थान का विशेष व्यंजन दाल-बाटीचूरमा खाया। आज दोपहर बाद हम झीलों के शहर उदयपुर जाएँगे। अगला पत्र उदयपुर से लिखूँगा ।

माता जी को मेरा प्रणाम और लता बहन को बहुत प्यार।

आपका पुत्र

अमर

© NCERT not to be republished

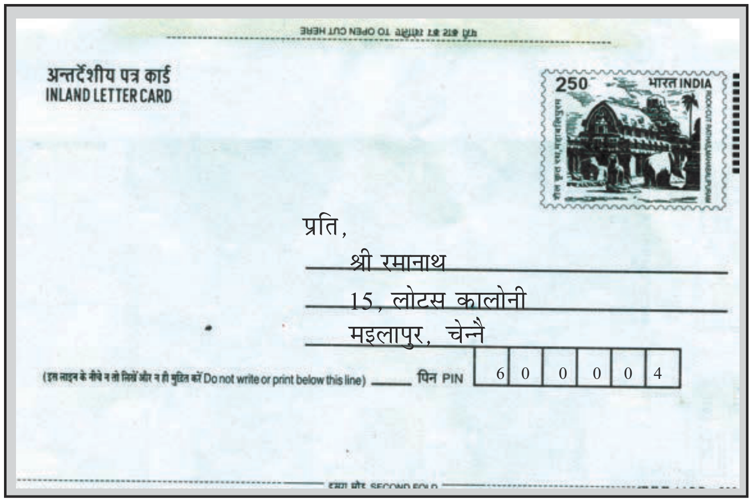
अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

250 भारत INDIA

प्रति,
श्री रमानाथ
15, लोटस कालोनी
मइलापुर, चेन्नै

(इस लाइन के नीचे न तो लिखें और न ही मुद्रित करें Do not write or print below this line) पिन PIN 6 0 0 0 0 4

अभ्यास

1. पढ़ो और सुनो

यात्रा	दाल–बाटी	वेधशाला	गोशाला	राजा–महाराजा
देखने योग्य	दर्शनीय	चूरमा	लोकनृत्य	जंतर–मंतर
आमेर का किला	घूम–घूमकर	निर्माण	नाश्ता	संग्रहालय
शीशमहल	झीलों का शहर	मौसम	व्यंजन	अस्त्र–शस्त्र
राजस्थान	रामनिवास बाग			

2. पढ़ो और समझो

सादर	– आदर के साथ	पहले	– बाद में
सकुशल	– ठीक तरह से, ठीकठाक	बहुत	– कम
ध्यान रखना	– खयाल रखना	पुराना	– नया
दर्शनीय	– देखने योग्य	शहर	– गाँव
निर्माण करना	– बनाना	व्यंजन	– पकवान
वापस आना	– लौटना		

© NCERT not to be republished

प्रणाम : पिता जी को प्रणाम।

गुरू जी को प्रणाम।

माता जी को प्रणाम।

नमस्कार : चाचा जी को नमस्कार।

भैया को नमस्कार।

प्यार : छोटे–भाई–बहनों को प्यार ।

3. समान अर्थवाले शब्दों को रेखा खींचकर मिलाओ

ध्यान रखना	देखने योग्य
संग्रहालय	ठीकठाक
दर्शनीय	पकवान
व्यंजन	खयाल रखना
सकुशल	म्यूज़ियम

4. तालिका के प्रत्येक भाग से शब्द लेकर वाक्य बनाओ

पीटर	मुंबई	गया है ।
मोहन	चेन्नै	गई है ।
बच्चे	पुणे	गए हैं ।
पिता जी		
नीतू		गई हैं ।
रमा		
लड़की		
लड़कियाँ		
माता जी		

© NCERT not to be republished

5. तालिका के प्रत्येक भाग से शब्द चुनकर वाक्य बनाओ

(क)

मैंने	चेन्नै में	अजायबघर	देखा
हमने	सिनेमा		देखा
तुमने	हैदराबाद में	किला	देखा
आपने		समुद्र तट	
उसने	केरल में		
शीला ने			
मोहन ने			

(ख)

आज मैं (पु.)	पेंसिल	नहीं लाया हूँ।
आज मैं (स्त्री)	किताब	
	कापी	नहीं लाई हूँ।
	रूमाल	

© NCERT not to be republished

6. नमूने के अनुसार वाक्य बदलो

नमूना

हम रोज़ बाज़ार जाते हैं।

हम कल बाज़ार गए।

1.बच्चे रोज़ बाजार जाते हैं। ....

2.शीला रोज़ नौ बजे सोती है। ....

3.सुरेश रोज़ सुबह पाँच बजे उठता है। ....

4.वह रोज़ टहलने जाता है। ....

7. प्रश्नों के उत्तर दो

1. यह पत्र कहाँ से आया है?
2. जयपुर में कौन-कौन से दर्शनीय स्थल हैं?
3. महेश ने आमेर में क्या-क्या देखा?
4. जयपुर की वेधशाला का निर्माण किसने किया?
5. कला संग्रह में क्या-क्या रखा हुआ है?
6. राजस्थान का विशेष व्यंजन क्या है?

योग्यता विस्तार

- विद्यार्थी अपने किसी मित्र/रिश्तेदार को **बड़े दिन या दशहरे** की छुट्टियों में आने का निमंत्रण देते हुए पत्र लिखें और लिफ़ाफ़ा तैयार करें।

© NCERT not to be republished

छब्बीसवाँ पाठ

बढ़े चलो

वीर, तुम बढ़े चलो ।
धीर, तुम बढ़े चलो ।।

हाथ में ध्वजा रहे,
बाल-दल सजा रहे,
ध्वज कभी झुके नहीं,
दल कभी रुके नहीं।

वीर, तुम बढ़े चलो ।
धीर तुम बढ़े चलो ।।

सामने पहाड़ हो,
सिंह की दहाड़ हो,
तुम निडर, हटो नहीं,
तुम निडर, डटो वहीं ।

वीर तुम बढ़े चलो ।
धीर तुम बढ़े चलो।।

मेघ गरजते रहें
मेघ बरसते रहें
बिजलियाँ कड़क उठें
बिजलियाँ तड़क उठें

वीर तुम बढ़े चलो
धीर तुम बढ़े चलो

प्रात हो कि रात हो
संग हो न साथ हो
सूर्य से बढ़े चलो
चंद्र से बढ़े चलो ।

वीर तुम बढ़े चलो
धीर तुम बढ़े चलो

द्वारिकाप्रसाद माहेश्वरी

© NCERT not to be republished

अभ्यास

शब्दार्थ

वीर	– वीर पुरुष, साहसी	धीर	– धैर्यवान
ध्वजा	– झंडा	निडर	– जो किसी से नहीं डरता
डटो	– पीछे मत हटो	कड़क-कड़क	– बिजलियों के कड़कने की आवाज़
प्रात	– सुबह		

भावार्थ

यह एक 'प्रयाण' गीत है। कवि कहता है कि हे वीर, धीर! तुम आगे बढ़ो। हाथ में राष्ट्रीय ध्वज लेकर बिना रुके बढ़ते रहो। चाहे सामने पहाड़ हो या सिंह गरज रहा हो, बिलकुल डरो नहीं, डटकर सामना करो और आगे बढ़ो। चाहे बादल गरज रहे हों, बिजलियाँ कड़क रही हों, सुबह हो या रात, कोई साथ में हो या न हो, सूर्य और चंद्रमा के समान आगे बढ़ते रहो। इसमें कवि ने पक्के इरादे के साथ आगे बढ़ने की बात की है। लगातार चलने से मुश्किलें भी आसान हो जाती हैं।

1. कविता की पंक्तियाँ पूरी करो

(क) वीर तुम बढ़े चलो ....

(ख) ध्वज कभी झुके नहीं ....

(ग) तुम निडर, हटो नहीं ....

(घ) सूर्य से बढ़े चलो ....

2. समान अर्थवाले शब्दों को रेखा खींचकर मिलाओ

ध्वजा	सूरज
निडर	बादल
मेघ	चाँद
सूर्य	झंडा
चंद्र	निर्भय

3. पाठ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो

1. वीरों के हाथ में क्या रहना चाहिए?
2. वीरों को निडर होकर क्या करना चाहिए?
3. मेघ और बिजलियाँ क्या-क्या करती हैं?
4. वीरों को किस-किस की तरह बढ़ना चाहिए?

© NCERT not to be republished

सत्ताईसवाँ पाठ

व्यर्थ की शंका

(चित्रकथा 1)

1. किसी गाँव में एक दंपति रहते थे। उनकी कोई संतान नहीं थी।

2. उन दोनों ने एक छोटे-से नेवले को पाल लिया। पति-पत्नी नेवले को बहुत प्यार करने लगे।

3. कुछ दिन बाद ...

उनके घर पुत्री का जन्म हुआ। संतान पाकर पति-पत्नी बहुत खुश हुए।

4. स्त्री अपनी बच्ची से बहुत प्यार करने लगी। उसका ध्यान अपनी संतान पर ही रहता था। अब उसे नेवला व्यर्थ लगने लगा।

5. उसे नेवले पर गुस्सा आता रहता था। स्त्री को संदेह था कि नेवला उसकी बेटी से जलता है और इसलिए वह चुपचाप बैठा रहता है।

6. पति के मन में नेवले के प्रति कोई संदेह नहीं था। वह पत्नी को समझाता, नेवला मेरी बेटी से क्यों जलेगा? ये दोनों हमारी संतानें हैं।

7. एक दिन ... जब स्त्री घड़ा लेकर कुएँ से पानी भरने के लिए जाने लगी, उसने अपने पति से कहा–

8. जाते-जाते उसने पति को सावधान किया।

© NCERT not to be republished

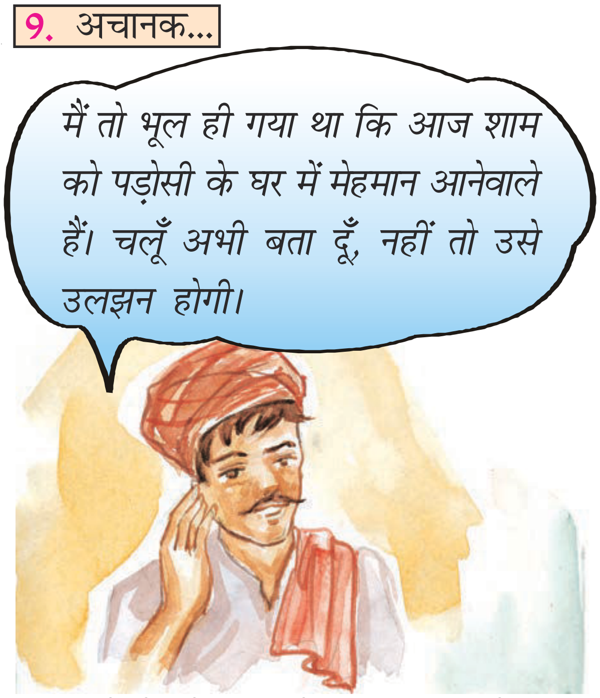

पति को नेवले पर संदेह नहीं था उसे एक काम याद आया। घर से निकलते हुए उसने नेवले से कहा–

उसकी बात सुनकर नेवला सतर्क हो गया। वह बच्ची के पालने के पास जा बैठा।

नेवले ने देखा...
बच्ची पालने में सो रही थी। और दरवाज़े से एक साँप पालने की ओर बढ़ता चला आ रहा है।

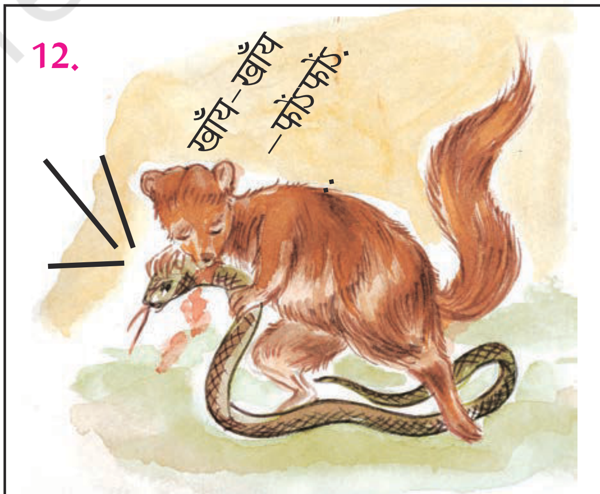

नेवला साँप पर झपटा। उसने साँप को पकड़ लिया, दांतों से टुकड़े-टुकड़े कर साँप को मार डाला।

© NCERT not to be republished

13. प्रतीक्षा ...

नेवला घर से बाहर आकर स्त्री की प्रतीक्षा करने लगा। उसे अपनी विजय पर गर्व था।

14.

स्त्री ने नेवले के मुँह में खून देखा। उसने गुस्से में पानी से भरा घड़ा फेंककर मारा। नेवला मर गया।

15. वह घर में गई। उसने देखा साँप मरा पड़ा है और बच्ची पालने में सोई हुई है।

16. वह बैठी रोती रही, उसे बहुत दुःख हुआ, तभी उसका पति घर आया।

© NCERT not to be republished

17.

पत्नी ने पति को अपनी बातें सुनाईं और पछताने लगी।

18.

दंपति, नेवले की निष्ठा और कर्तव्य को जीवनभर नहीं भूल पाए।

© NCERT not to be republished

अभ्यास

1. नीचे दिए गए कथन किसके हैं?

कथन

1. तू तो मेरा राजा बेटा है। ....
2. सुनो ..., मैं पानी लेने जा रही हूँ। ....
3. अपनी बहन का ध्यान रखना। ....
4. माँ मुझ पर बहुत प्रसन्न होगी। ....
5. हाय! हाय! यह मैंने क्या कर डाला। ....
6. कोई भी काम सोच-समझकर ही करना चाहिए। ....

2. प्रश्नों के उत्तर दो

1. स्त्री के मन में नेवले के बारे में क्या संदेह था?
2. पति ने पत्नी को नेवले के बारे में क्या समझाया?
3. जब साँप बच्ची के पालने की ओर आता दिखा तो नेवले ने क्या किया?
4. स्त्री फूट-फूटकर क्यों रोने लगी?
5. दंपति, नेवले को जीवन भर क्यों नहीं भूल पाए?

© NCERT not to be republished

अट्ठाईसवाँ पाठ

गधा और सियार

(चित्रकथा 2)

1. गधा और सियार में अच्छी मित्रता थी। वे दोनों एक साथ रहते, एक साथ भोजन की खोज में निकलते।

2. चाँदनी रात थी, दोनों भोजन की खोज में निकले।

3. वे ककड़ी के खेत के पास पहुँचे।

4. ककड़ी देखकर उनकी भूख और तेज हो गई। वे दोनों खेत के भीतर पहुँचे।

© NCERT not to be republished

5. पेट भर ककड़ी खाने के बाद दोनों खुश हुए। सियार साधारण खुशी को महत्त्व नहीं देता था, वह चुप रहा; लेकिन गधा चुप नहीं रह सका।

6. सियार ने गधे को समझाने की कोशिश की।

7.

गधे ने सियार की बात नहीं मानी। वह ज़ोर से गाने लगा।

8. किसान गधे की हेंचू-हेंचू आवाज सुनकर जाग गया।

9. किसान लाठी लेकर दौड़ा आया।

10. सियार किसान को देखकर भाग खड़ा हुआ, लेकिन गधा पकड़ा गया।

11. किसान ने गधे की खूब पिटाई की।

© NCERT not to be republished

12. बेचारा गधा मार खाता रहा। दूर खड़ा सियार दुखी मन से मित्र गधे की दुर्दशा देखता रहा।

13. किसान ने गधे को मार-मारकर खेत से बाहर भगा दिया।

14. गधा नीचे पड़ा-पड़ा कराह रहा था। सियार गधे के पास धीरे-धीरे आया।

15. सियार ने गधे के आँसू पोंछे, ढांढस बँधाया। लेकिन गधा धैर्य छोड़कर चीख-चिल्ला रहा था।

© NCERT not to be republished

16.

जब गधे ने तर्क दिया तो मित्र की मूर्खता पर सियार को हँसी आ गई।

17.

सियार की बातें गधे की समझ में आ गई।

18.

धैर्य से रहने और उचित समय को पहचानकर कार्य करने की बुद्धिमानी गधे ने कष्ट में पड़कर सीख ली।

© NCERT not to be republished

अभ्यास

1. नीचे दिए गए कथन किसके हैं?

1. अब गाना गाने का मन हो रहा है।

2. जो लोग खाने के बाद गाते नहीं, वे लोग अच्छे नहीं होते।

3. धैर्य के साथ रहकर उचित समय को पहचानने की बुद्धि तुझमें नहीं है।

4. खुशी को भोजन की तरह पचाना आवश्यक है।

2. चित्रकथा के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो

1. सियार ने गधे को गाना गाने से मना क्यों किया?

2. ककड़ी खाने के बाद गाना गाने की गलती गधे ने क्यों की?

3. गधे ने कष्ट में पड़कर सियार से कौन-सी बुद्धिमानी सीखी?

© NCERT not to be republished